मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 112
रविवार, 02 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

मोदी-नीतीश के सुशासन से बढ़ेगा बिहार: अमित शाह

पटना, 01 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बिहार के लोगों से आगामी विधानसभा चुनावों में एनडीए गठबंधन का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों और एनडीए के 'संकल्प पत्र' में उल्लिखित प्रतिबद्धताओं पर प्रकाश डाला। खराब मौसम के कारण गोपालगंज नहीं जा सके अमित शाह ने एक वर्चुअल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ₹एनडीए के समर्थन में यहाँ एकत्रित हुए लोगों की भारी संख्या के लिए मैं क्षमा चाहता हूँ। लेकिन खराब मौसम के कारण पटना से गोपालगंज जाने की अनुमति नहीं मिली, इसलिए मैं आप सभी से वर्चुअली बात कर रहा हूँ।

बिहार में किसानों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एनडीए की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, शाह ने रेखांकित किया कि एनडीए के हाल ही में जारी घोषणापत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की प्रगति के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की रूपरेखा दी गई है। उन्होंने कहा, ₹कल हमने अपना घोषणापत्र जारी किया। हमने बिहार के विकास के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है। लेकिन दो प्रमुख बातें हैं - एक किसानों के लिए और एक महिलाओं के लिए - जिन्हें मैं दोहराना चाहता हूँ। अभी-अभी, प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार ने 1 करोड़ 41 लाख जीविका दीदियों के बैंक खातों में 10,000 रुपये ट्रांसफर किए हैं। हम उन सभी जीविका दीदियों के खातों में विभिन्न माध्यमों से 2 लाख रुपये तक की राशि भेजेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 87 लाख किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये प्रदान करते हैं; एनडीए सरकार बनने के बाद यह राशि बढ़कर 9,000 रुपये हो जाएगी।

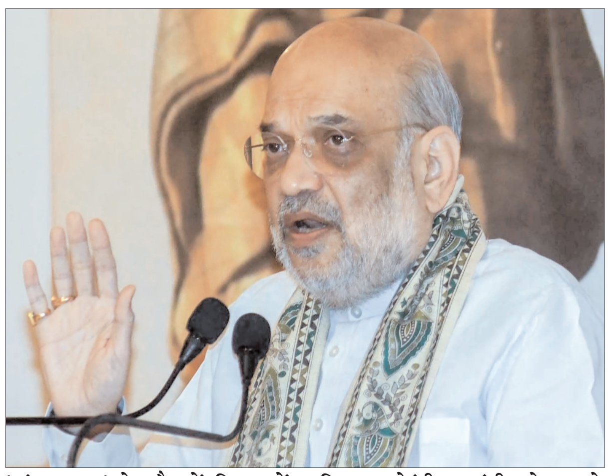

विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए, गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि 'जंगल राज' के दौर में बिहार में अराजकता और आपराधिक गतिविधियाँ चरम पर थीं। शाह ने कहा, ₹गोपालगंज के लोग साधु यादव के कारनामों से वाकिफ हैं। जंगल राज के दौरान अनगिनत हत्या की घटनाएं हुईं। इसके बजाय, प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार ने बिहार में सुशासन के लिए काम किया। केंद्रीय मंत्री ने आगे आश्वासन दिया कि एनडीए सरकार अगले पाँच वर्षों के भीतर राज्य की सभी बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित करेगी।

शाह ने जोर देकर कहा, ₹प्रधानमंत्री मोदी ने बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से शुरू करने का बहुत अच्छा प्रयास किया है। रीगा चीनी मिल को फिर से शुरू कर दिया गया है। ज़िले में हमने तीन चीनी मिलें, एक इथेनॉल प्लांट, चावल मिल, आटा मिल और एक डेयरी प्लांट शुरू करने का काम शुरू किया है। हम अगले पाँच वर्षों के भीतर बिहार की सभी बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से शुरू करके किसानों की समृद्धि के लिए काम करेंगे। महाठगबंधन के लोग एमएसपी की बात कर रहे हैं। मैं बिहार के किसानों को बताना चाहता हूँ कि 2014-15 में धान का एमएसपी 1,310 रुपये था, हमने इसे बढ़ाकर 2,400 रुपये कर दिया है। इसमें 81% की वृद्धि हुई है। गृह मंत्री ने क्षेत्र में चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का विस्तृत ब्यौरा दिया, जिसमें 2,200 करोड़ रुपये की लागत से डुमरिया घाट से पटना तक एक्सप्रेसवे का निर्माण और हथुआ में 340 करोड़ रुपये की लागत से एलपीजी बॉटलिंग प्लांट का निर्माण शामिल है।

सामूहिक सुरक्षा हर देश की संप्रभुता की कुंजी है : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 01 नवम्बर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच शनिवार को कहा कि भारत का मानना है कि यह क्षेत्र खुला, समावेशी और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए।

कुआलालंपुर में आसियान सदस्य देशों और समूह के वार्ता साझेदारों के रक्षा मंत्रियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने क्षेत्र के प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक सुरक्षा के दृष्टिकोण पर जोर दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के पालन पर जोर और नौवहन तथा उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए है।

उन्होंने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है जब आसियान के कई सदस्य और लोकतांत्रिक देश विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के निरंतर पालन की मांग कररहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत आसियान के नेतृत्व वाले समावेशी क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे को मजबूत बनाने के पक्ष में है।

रक्षा मंत्री ने कहा, भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमताओं पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि साझा संसाधनों के प्रबंधन, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, और मानवीय संकटों के प्रति सामूहिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी।

सिंह ने कहा कि एडीएमएम-प्लस रणनीतिक संवाद को व्यावहारिक परिणामों से जोड़ने और क्षेत्र को शांति एवं साझा समृद्धि की ओर ले जाने वाला सेतु बन सकता है। उन्होंने कहा, भारत इस ढांचे में अपनी भूमिका को साझेदारी और सहयोग की भावना के नजरिए से देखता है। हमारा दृष्टिकोण लेन-देन वाला नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-आधारित है।

सिद्धरमैया ने प्लास्टिक की बोतलों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया

कर्नाटक, 01 नवम्बर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिया है कि वे राज्य भर के कार्यालयों और आधिकारिक कार्यक्रमों में पानी की प्लास्टिक बोतलों के स्थान पर टिकाऊ विकल्पों का उपयोग करके पर्यावरण अनुकूल उपायों को सख्ती से अपनाएं।

मुख्यमंत्री ने 28 अक्टूबर को जारी एक बयान में पर्यावरणीय जिम्मेदारी और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यह बयान शुक्रवार को मीडिया में जारी किया गया। इस निर्देश का उद्देश्य स्थानीय उद्यमों को सहयोग देते हुए सरकार को अधिक टिकाऊ तरीके से कार्य करने में सक्षम बनाना है।

सिद्धरमैया ने कहा, ह्यह्यराज्य भर के सभी सरकारी कार्यालयों और आधिकारिक बैठकों में पीने के पानी के लिए प्लास्टिक की बोतलों के बजाय पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों का उपयोग करने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इस उपाय को सख्ती से लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे सचिवालय में आयोजित बैठकों और आधिकारिक कार्यक्रमों के दौरान ह्यह्यसरकारी स्वामित्व वाले कर्नाटक दुग्ध महासंघ (केएमएफ) के नंदिनी उत्पादों का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

भारत में माओवाद का खात्मा करीब, नक्सलवाद 3 जिलों तक सिमटा: पीएम मोदी

छत्तीसगढ, 01 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ धीरे-धीरे माओवादी आतंकवाद की गिरफ़्त से मुक्त हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य और देश अब इस खतरे से पूरी तरह मुक्ति पाने के करीब हैं। राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने नक्सली हिंसा की छाया में पीड़ित लोगों के दशकों लंबे दर्दनाक संघर्ष को याद किया।

मोदी ने भारत में माओवाद के पतन के बारे में आशा व्यक्त की और कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत माओवादी आतंक से मुक्त होगा। उन्होंने इस आंदोलन का मुकाबला करने में मिली हालिया सफलता और देश में केवल तीन ज़िलों के वामपंथी उग्रवाद की गिरफ़्त में रहने पर प्रकाश डाला। उन्होंने उन लोगों की कड़ी आलोचना की जो संविधान की रक्षा का ढोंग करते हैं और सामाजिक न्याय के नाम पर घड़ियाली आँसू बहाते हैं, और उन पर अपने राजनीतिक फायदे के लिए दशकों तक अन्याय करने का आरोप लगाया। माओवादी उग्रवाद के कारण जनजातीय क्षेत्रों की उपेक्षा पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गांव सड़कों, स्कूलों और अस्पतालों से वंचित हैं और सत्ता में बैठे लोग ₹लोगों को उनके भाग्य पर छोड़कर जीवन के सुखों का आनंद ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में सत्ता संभालने के बाद उनकी सरकार ने देश से माओवादी आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा, ₹ग्यारह साल पहले, 125 से ज्यादा ज़िले माओवादी आतंकवाद से प्रभावित थे; आज, केवल तीन ज़िले ही बचे हैं जहाँ इसके निशान बचे हैं। वह दिन दूर नहीं जब छत्तीसगढ़ और पूरा देश माओवादी आतंकवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। इससे पहले अक्टूबर 2025 में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा था कि वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित ज़िलों की संख्या इस साल की शुरूआत में 18 से घटकर अब 11 हो गई है। सरकार द्वारा सबसे ज्यादा प्रभावित तीन ज़िले छत्तीसगढ़ में हैं: बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर।

2013 में, 126 वामपंथी उग्रवाद प्रभावित ज़िले थे और लगातार चलाए गए अभियानों के बाद, अप्रैल 2025 में यह संख्या 18 तक सीमित कर दी गई। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 से पहले की स्थिति की तुलना में महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला, जब लगभग 125 ज़िले माओवादी हिंसा से प्रभावित थे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत माओवादी आतंक से पूरी तरह मुक्त होने की कगार पर है, एक ऐसा लक्ष्य जिसे सरकार ने 31 मार्च, 2026 तक हासिल करने का संकल्प लिया है। सरकार इस सफलता का श्रेय सुरक्षा अभियानों, बुनियादी ढांचे के विकास और पुनर्वास प्रयासों को मिलाकर बनाई गई बहुआयामी रणनीति को देती है।

तेलंगाना में रात का खाना खाने के बाद 50 से अधिक छात्र अस्पताल में भर्ती

तेलंगाना। तेलंगाना के जोगुलम्बा गडवाल जिले में लड़कों के लिए एक सरकारी कल्याण छात्रावास के 52 छात्रों को शुक्रवार रात खाना खाने के बाद उल्टी और पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि इटिक्याला मंडल के धर्मावरम स्थित छात्रावास के छात्रों को एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और डॉक्टरों ने उनका इलाज करने के बाद कहा है कि उनकी हालत स्थिर है।

एक जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 32 छात्रों को छुट्टी दे दी गई है और अन्य की हालत भी स्थिर है तथा उन्हें निगरानी में रखा गया है। अधिकारी ने कहा, हम छात्रावास में एक शिविर भी चला रहे हैं।

केंद्र ने ओडिशा के छह मेडिकल कॉलेजों में पीजी के लिए अतिरिक्त 62 सीटों को मंजूरी दी: मुख्यमंत्री

ओडिशा, 01 नवम्बर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र ने 2025-26 शैक्षणिक सत्र के लिए राज्य संचालित छह मेडिकल कॉलेजों एवं अस्पतालों में स्नातकोत्तर (पीजी) के लिए अतिरिक्त 62 सीटों को मंजूरी दी है।

माझी ने कहा कि अतिरिक्त पीजी सीटों की मंजूरी पश्चिमी ओडिशा में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में एक ह्लमहत्वपूर्ण मील का पत्थरह्व है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा को लिखे पत्र में माझी ने कहा, मैं शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए ओडिशा के छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में 62 पीजी सीटों की मंजूरी देने के लिए आपका और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

उन्होंने कहा, अतिरिक्त पीजी सीटें न केवल चिकित्सा शिक्षण एवं सीखने की गुणवत्ता को बढ़ाएंगी, बल्कि क्षेत्र के लोगों के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवा वितरण में भी सुधार करेंगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वीआईएमएसएआर-बुर्ला में 15 अतिरिक्त सीटें, कटक में एससीबी मेडिकल कॉलेज में तीन, भुवनेश्वर में पीजीआईएमईआर और कैपिटल अस्पताल में छह, बारीपदा में पीआरएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 20, बालासोर में एफएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आठ और बोलांगीर में भीमा भोई मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 10 अतिरिक्त सीटें स्वीकृत की गई हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

मणिपुर में चार छात्र नेताओं पर हमला करने के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

मणिपुर। मणिपुर के काकचिंग जिले में चार छात्र नेताओं पर हमला करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि कथित हमले के सिलसिले में काकचिंग पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया और सत्यापन के लिए दो वाहन जब्त कर लिए गए।

बयान में कहा गया है कि चंदेल जिले के चार छात्रों पर 30 अक्टूबर की रात को काकचिंग-लामखाई-पल्लेल रोड पर बिजॉयपुर के पास अज्ञात व्यक्तियों ने कथित तौर पर हमला किया था।

घोषणा-पत्र: लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

-ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं।

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती

है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे।

घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने ह्यसंकल्प पत्रह्न में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने ह्यतेजस्वी प्रणह्न में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके।

ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे को वास्तविक रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए? दरअसल चुनावी घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष अपने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा-पत्र के रूप में प्रकाशित करती है। मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा-पत्र एक विजन डाक्यूमेंट है। इसलिए यह घोषणा-पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दस्तावेज बनना चाहिए। निश्चित रूप से चुनावी घोषणा-पत्र मतदाताओं के लिए निर्णय लेते समय राजनीतिक दलों के शासन के एजेंडे को उनके विचारों को मापने का एक सशक्त माध्यम है। यह भी कहा जा सकता है कि मतदान लेन-देन के जैसा है। एक बार जब चुनावी वादों पर वोट दिए जाते हैं तो यकीनन इसे एक कानूनी अनुबंध माना जाना चाहिए। जब कोई पार्टी चुनाव जीत कर सत्ता में आती है तो सवाल उठता है कि क्या वह घोषणा-पत्र जो एक अनुबंध का रूप ले चुका है, उसे लागू होना चाहिए या नहीं? जिस सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तहत सरकारें चुनी जाती हैं, क्या किए गए वादों को पूरा करने के संदर्भ में उनकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? चुनाव आयोग को भी इस बारे में नए सिरे से विचार करना चाहिए, ताकि इसका कुछ ठोस समाधान किया जा सके। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्यता नहीं होगी, तब तक यह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक तो बढ़ाते हैं, पर उनका सच समय के साथ ही सामने आएगा कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करते हैं या सिर्फ चुनावी छलावे साबित होते है।

देव दीपावली: जब गंगा की लहरें बनती है आरती की थाल

-सुरेश गांधी

कार्तिक पूर्णिमा की वह पावन संध्या जब अस्सी घाट से लेकर राजघाट तक, गंगा के दोनों किनारे दीपों से सजते हैं, तो दृश्य किसी कल्पना से परे होता है. गंगा की लहरें मानो आरती की थाल बन जाती हैं। यह वह रात होती है जब गंगा सचमुच बोलती है, दीयों की लौ में, आरती के स्वर में, और भक्तों की सांसों में। हर दीप एक मंत्र है, हर लौ एक प्रार्थना। हर घाट, हर सीढ़ी, हर लहर कह उठती है हर हर महादेव! हर दीप में है भोलेनाथ, हर लौ में है जीवन, हर ज्योति में है मुक्ति। दीयों के प्रतिबिंब में गंगा की मुस्कान झिलमिलाती है, और लगता है. साक्षात भोलेनाथ गंगा तट पर ध्यानस्थ बैठे हैं। नावों पर बैठे श्रद्धालु जब दीप प्रवाहित करते हैं, तो वह दीप जल में नहीं, आस्था के अनंत सागर में तैरते हैं। मतलब साफ है देव दीपावली केवल एक पर्व नहीं, यह प्रकाश के रूप में व्यक्त हुई भक्ति है। गंगा के दोनों तट जब लाखों दीपों से सजते हैं, तब लगता है कि धरती पर नहीं, स्वयं कैलास पर आरती हो रही हो। हर दीप की लौ में भोलेनाथ का ही प्रतिबिंब झिलमिला उठता है, वाराणसी की देव दीपावली इसीलिए दुनिया की एकमात्र ऐसी दीपावली है, जहां दीप देवों के लिए जलते हैं, न कि देवताओं की आराधना में

दीपों की टिमटिमाती रोशनी में, आरती के लहराते धुएं में, शंखनाद के गूंजते स्वर में और श्रद्धा से झुके हर माथे में। यह कोई साधारण रात नहीं होती, यह वह क्षण होता है जब देवताओं की दीवाली, देव दीपावली मनाई जाती है. अर्द्धचंद्राकार घाटों की कतार जब पंद्रह लाख दीपों से जगमगाती है, तो गंगा मानो चांदनी ओढ़े, शिव के चरणों में आरती बन जाती है. पौराणिक मान्यता कहती है, कार्तिक पूर्णिमा की रात देवता स्वर्ग से उतरकर काशी आते हैं और गंगा में स्नान कर पुनः देवलोक लौटते हैं। उनके स्वागत में काशीवासी दीप प्रज्वलित करते हैं, गंगा आरती करते हैं और घाटों को पुष्पों से सजाते हैं। तभी तो इसे देव दीपावली कहा गया, देवताओं की दीपावली! दशाश्वमेध से लेकर राजघाट तक, और अस्सी से लेकर पंचगंगा तक, हर घाट इस रात बोलता है। गंगा की लहरें जब दीयों के प्रतिबिंब से लहराती हैं, तो लगता है कि देवताओं की आरती स्वयं प्रकृति गा रही हो। गंगा की लहरों पर तैरते दीप जैसे कह रहे हों, हम अंधकार नहीं, प्रकाश के प्रतिनिधि हैं।

हर लौ, हर ज्योति में भक्ति का कंपन है, हर दीप में श्रद्धा का प्रणाम है। यह रात केवल आंखों से नहीं, आत्मा से देखी जाती है। गंगा की लहरों पर नाचते दीप, मंदिरों से उठती आरती, हवा में घुली कर्पूर की सुगंध, सब मिलकर शिवत्व की भाषा बोलते हैं। हर दीप जैसे कह रहा हो, मैं शिव की ज्योति हूँ, मैं प्रकाश हूँ, मैं भक्ति का स्वर हूँ। काशी की हवाओं में उस रात मंत्रोच्चार का संगीत होता है, ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिं पुष्टिवर्धनम... ऐसा लगता है कि स्वयं महादेव, विश्वनाथ, गंगा तट पर विराजे हों, और हर दीप से उनकी ज्योति फूट रही हो। चांदनी रात में गंगा की धाराएं जब दीपों से आच्छादित होती हैं, तो वह किसी आरती की थाल-सी प्रतीत होती हैं, जिसे स्वयं काशी विश्वनाथ के चरणों में चढ़ाया जा रहा हो। मतलब साफ है काशी में देव दीपावली का अर्थ केवल रोशनी नहीं, बल्कि अंतरतम के अंधकार को जलाने की साधना है। दीपों का प्रतिबिंब जल में झिलमिलाता है, तो लगता है गंगा मुस्कुरा रही हो। नावों पर बैठे श्रद्धालु जब एक-एक दीप प्रवाहित करते हैं, तो वह दीप केवल जल में नहीं, बल्कि संसार के अंधकार में प्रकाश की आशा लेकर आगे बढ़ते हैं।

ऐसा लगता है जैसे पूरा ब्रह्मांड मानो आज काशी के घाटों पर उतर आया हो। देव दीपावली की रात, जब धरती पर दीपक, जल में प्रतिबिंब और आकाश में आतिशबाजी, तीनों एक साथ झिलमिलाते हैं, तब लगता है कि स्वयं देवता गंगा तट पर विराजमान हो गए हैं। दीपों की कतारें जैसे श्रद्धा के श्लोक लिख रही होती है, दीपो भद्रं जनयेत... हर दीप के साथ आस्था की लहरें गंगा की धारा में उतरती है, और हर मन सूर्य, शिव व मातृगंगा के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट कर रहा होता है। हम दीप जलाते हैं, तो अंधकार से संवाद करते हैं, उसे चुनौती देते हैं, और उसी क्षण हम देवत्व के सहभागी बन जाते हैं। काशी की देव दीपावली हमें सिखाती है, अंधकार चाहे जितना गहरा हो, एक दीप पर्याप्त है। और जब वह दीप काशी में जलता है, तो केवल घाट नहीं, पूरा ब्रह्मांड आलोकित हो उठता है।

त्रिपुरासुर का वध और त्रिपुरारी महादेव

पुराणों के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा की संध्या को भगवान शंकर ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध किया था, जिसने तीनों लोकों में आतंक मचा रखा था। देवता अत्याचार से मुक्ति पाकर आनंदित हुए, उस विजय के उपलक्ष्य में देवताओं ने स्वर्ग और काशी दोनों जगह दीप प्रज्वलित कर हर्ष मनाया। तभी से यह दिन ह्यदेव दीपावली कहलाया। कहते हैं, उस समय अहंकारी राजा दिवोदास के अहंकार को भी भोलेनाथ ने नष्ट किया था, और तभी काशीपुराधिपति शिव को त्रिपुरारी नाम से भी जाना जाने लगा। इस दिन बाबा विश्वनाथ के त्रिपुरारी स्वरूप की आराधना के साथ देव दीपावली का शुभारंभ होता है। हर दीप उस विजय की स्मृति है, अंधकार पर प्रकाश की, असुरता पर देवत्व की, और अहंकार पर नम्रता की।

अहिल्याबाई से शुरू हुई आधुनिक परंपरा

धार की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने पंचगंगा घाट पर पत्थरों से हजारा दीप स्तंभ बनवाया था। वहीं से आधुनिक देव दीपावली का सिलसिला आरंभ हुआ। फिर यह उत्सव अस्सी से पंचगंगा, दशाश्वमेध से राजघाट तक फैल गया, आज यह केवल घाटों का नहीं, बल्कि पूरे काशी का महोत्सव बन गया है। अब गंगा पार रेती पर भी लाखों दीप जगमगाते हैं।

भीतर के अंधकार को मिटाने का पर्व

त्रिपुरासुर के वध की कथा केवल एक दैत्य के अंत की नहीं, बल्कि अहंकार, क्रोध, लोभ और अज्ञान पर विजय का प्रतीक है। जब हम दीप जलाते हैं, तो वह बाहर का नहीं, भीतर का अंधकार मिटाने का प्रयत्न होता है। देव दीपावली कहती है, यदि तुम्हारे भीतर का दीप बुझा है, तो बाहरी रोशनी व्यर्थ है। हर दीप का अर्थ केवल रोशनी नहीं। यह अहंकार के अंधकार को जलाने का प्रतीक है। त्रिपुरासुर का वध केवल राक्षस का संहार नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के अंधकार, काम, क्रोध, लोभ, और मोह का अंत है। देव दीपावली हमें यही सिखाती है कि जब भीतर का दीप जलता है, तभी बाहरी दीप की रोशनी अर्थपूर्ण होती है।

प्रकृति का संतुलन और प्रकाश का विज्ञान

शरद ऋतु के इस मौसम में जब दिन छोटे और रातें लंबी होती हैं, तब प्रकाश का संतुलन बनाए रखने के लिए दीप जलाने की परंपरा आरंभ हुई। यह केवल धार्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सोच थी, दीप का प्रकाश वायुमंडल को शुद्ध करता है, और दीयों का ताप सर्द मौसम में शरीर को ऊर्जा देता है। यही कारण है कि कार्तिक मास को सर्वश्रेष्ठ धार्मिक और स्वास्थ्यप्रद काल कहा गया है।

भक्ति, पर्यटन और संस्कृति का संगम

आज देव दीपावली केवल आस्था नहीं, बल्कि विश्व पर्यटन का आकर्षण बन चुकी है। 5 नवंबर को होने वाली इस वर्ष की देव दीपावली पर घाटों से लेकर मंदिरों तक लगभग 20 लाख दीप जलेंगे। चेतसिंह घाट से थ्रीडी लेजर शो में शिव-महिमा का प्रदर्शन होगा, गंगा आरती में 21 ब्राह्मणों की मंडली वैदिक स्वर में आराधना करेगी। विदेशों से आए श्रद्धालु नावों से यह नजारा देखेंगे, जहाँ गंगा की लहरों पर बहते दीप भारत की आत्मा का प्रकाश बनकर तैरेंगे। सभी अस्सी घाटों पर जब लाखों दीप जलते हैं, तो वह केवल दृश्य नहीं, अनुभूति होती है। गंगा की लहरें, दीपों की कतारें, और हवा में घुली कर्पूर की सुगंध, सब मिलकर शिव के ध्यान का साक्षात स्वरूप बन जाती हैं। इस अवसर पर हर घाट कला, संगीत और भक्ति से जीवित हो उठता है। शास्त्रीय संगीत, बांसुरी, ढोलक, और लोक नृत्य, सब एक सुर में काशी की जीवंत आत्मा को प्रकट करते हैं। यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी सूची में शामिल काशी इस दिन कला, संस्कृति और अध्यात्म का संगम प्रस्तुत करती है। यह आयोजन केवल देवताओं का स्वागत नहीं, बल्कि मानवता, प्रेम और एकता के दीप जलाने का प्रतीक है।

जब गंगा बोलती है, काशी सुनती है

कार्तिक पूर्णिमा की चांदनी जब गंगा की लहरों से टकराती है और लाखों दीपों की लौ उसमें मिलती है, तब धरती पर तारों का समंदर उतर आता है। अस्सी से लेकर राजघाट तक गंगा के तट पर यह दृश्य इतना मोहक होता है कि शब्द जैसे कम पड़ जाते हैं, अद्भुत, अलौकिक, अविस्मरणीय। गंगा की कलकल में उस रात जैसे कोई अदृश्य संगीत बजता है। शंखों की गूंज और घंटों की लय के बीच हर दीप बोलता है, मैं प्रकाश हूँ, मैं शिव हूँ, मैं भक्ति का प्रतीक हूँ। काशी की देव दीपावली इसीलिए अनोखी है, क्योंकि यह केवल उत्सव नहीं, प्रकाश का दर्शन है। काशी की देव दीपावली यह सिखाती है कि प्रकाश केवल जलाने की चीज नहीं, बल्कि जीने की साधना है। हर दीप की लौ में शिव की छवि है, हर झिलमिल में भक्ति का संदेश। यह वह रात होती है जब गंगा बोलती है, हर दीप में है भोलेनाथ, हर लौ में है जीवन, हर ज्योति में है मुक्ति। कहा जा कसता है काशी में देव दीपावली केवल उत्सव नहीं, सनातन धर्म की आत्मा का प्रत्यक्ष दर्शन है। गंगा आरती की लहरों में जब शंख गूंजता है, तो वह केवल ध्वनि नहीं, वह गंगा की हृदय-धड़कन है। उस रात काशी का आकाश दीपों से सजता है, और धरती पर महादेव की मुस्कान उतरती है। हर दीप जैसे कह रहा होता है, मैं भोलेनाथ की ज्योति हूँ, मैं शिवत्व का अंश हूँ।

गंगा की गोद में देवताओं का आगमन

पौराणिक मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा की रात देवता स्वर्ग से उतरकर गंगा में स्नान करने आते हैं। उनके स्वागत में काशी के लोग दीप प्रज्वलित करते हैं, यही है देव दीपावली, देवताओं की दीपावली। गंगा का हर लहराता जलकण इस रात देवताओं के चरणस्पर्श से पवित्र होता है, और हर दीप मानो उनकी आरती में लहराता ज्योतिपुष्प बन जाता है। मतलब साफ है दीपों की लौ में केवल तेल और वात नहीं, बल्कि भक्ति, आस्था और प्रेम जलता है। वह दीप कोई वस्तु नहीं, एक व्रत है, जो हर काशीवासी अपने आराध्य शिव के चरणों में अर्पित करता है। देव दीपावली की यह रात इसलिए अनूठी है, क्योंकि इस रात गंगा बोलती है, और उसकी हर लहर, हर दीप की लौ में केवल एक ही नाम झिलमिलाता है ह्लहर हर महादेवह्व यह वही दिन है जब भगवान शंकर ने त्रिपुरासुर का वध कर तीनों लोकों को अत्याचार से मुक्त कराया था। तभी देवताओं ने दीप जलाकर उनकी विजय का उत्सव मनाया था.

शरद ऋतु का श्रृंगार और देवताओं का दिन

ऋतुओं में श्रेष्ठ शरद ऋतु, मासों में श्रेष्ठ कार्तिक मास और तिथियों में श्रेष्ठ पूर्णिमा, तीनों का संगम ही बनाता है देव दीपावली को अनुपम। पौराणिक मान्यता है कि इसी दिन देवता स्वर्ग से उतरकर गंगा में स्नान करने आते हैं, और उनके स्वागत में काशी दीपों से सजाई जाती है। इसी कारण इसे देवताओं की दीपावली कहा गया है। शरद ऋतु में दिन छोटे और रातें बड़ी होने लगती हैं, अर्थात अंधकार का प्रभाव बढ़ता है। उसी से लड़ने का उद्यम है दीप जलाना। इसलिए यह पर्व केवल रोशनी का नहीं, बल्कि अंधकार पर विजय और चेतना के जागरण का प्रतीक है।

पंचगंगा घाट से आरंभ, अब 84 घाटों तक विस्तार

सतुआ बाबा आश्रम के कर्ताधर्ता संतोषानंद जी ने बताया कि देव दीपावली का प्रारंभ पंचगंगा घाट से हुआ था, जहां अहिल्याबाई होल्कर ने पत्थरों से बना प्रसिद्ध हजारा दीप स्तंभ स्थापित कराया था। इसी घाट पर कबीरदास को स्वामी रामानंद ने राम नाम की दीक्षा दी थी। धीरे-धीरे यह परंपरा पूरे काशी के 84 घाटों तक फैली और अब यह महोत्सव सात समंदर पार तक अपनी प्रसिद्धि बिखेर चुका है। अब तो गंगा पार रेती, नगर के सरोवरों, तालाबों, और मंदिर प्रांगणों तक दीपों की यह श्रृंखला फैल गई है।

ज्योति-स्वरूप और योगिक अर्थ

मान्यता है कि इसी दिन भगवान शंकर और माता पार्वती ज्योति रूप में प्रकट हुए थे। योगशास्त्र के अनुसार, यह दिन षट्चक्रों के जागरण और परमानंद की साधना का प्रतीक है। भगवान शंकर का त्रिपुरासुर-वध केवल एक दैवी घटना नहीं, बल्कि यह संदेश है कि जब मनुष्य अपने भीतर के अंधकार, काम, क्रोध, अहंकार को समाप्त करता है, तभी वह देवत्व तक पहुंचता है। इसलिए देव दीपावली केवल बाहरी दीपोत्सव नहीं, बल्कि आंतरिक आलोक का पर्व भी है।

आतिशबाजी से निखरेगी काशी

इस वर्ष काशी की देव दीपावली और भी भव्य होगी। चेतसिंह घाट पर थ्रीडी प्रोजेक्शन मैपिंग के माध्यम से शिव महिमा और ह्यगंगा अवतरण पर आधारित शो प्रस्तुत किया जाएगा। आधा घंटे का यह शो तीन बार प्रदर्शित होगा, जिसमें लेजर लाइट, संगीत और हरित क्रैकर्स के साथ अद्भुत दृश्य जीवंत होंगे। गंगा पार रेती पर भी पर्यावरण-मित्र आतिशबाजी से काशी का आकाश ह्यईको-फ्रेंडली रोशनी से नहाएगा।

आधुनिकता और परंपरा का संगम

काशी की देव दीपावली आज केवल धार्मिक आयोजन नहीं रही, बल्कि संस्कृति, विरासत और आधुनिकता का संगम बन गई है। शहर के स्वयंसेवी संस्थान, व्यापारी संगठन, और मंदिर समितियाँ मिलकर इसे जन-जन का पर्व बना रही हैं। हर दीप, हर आरती, हर मुस्कान इस शहर के सनातन गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा कर रही है।

दीप जलाओ, अंधकार मिटाओ

देव दीपावली का संदेश शाश्वत है ह्लजहाँ अंधकार है, वहाँ दीप जलाओह्व यह केवल दीयों का त्योहार नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के अंधकार, संशय और भय को मिटाने का संकल्प है। काशी की देव दीपावली विश्व को यही बताती है कि जब तक मन में भक्ति और हाथ में दीप है, तब तक अंधकार कभी स्थायी नहीं हो सकता। दीपक देह जलावौं, जो मन का अंधकार मिटावौं। बीसवीं सदी में यहीं से आधुनिक देव दीपावली की परंपरा प्रारंभ हुई। अब यह आयोजन अस्सी से लेकर राजघाट तक सभी चैरासी घाटों तक फैल चुका है, और इसकी ख्याति सात समंदर पार तक पहुँच चुकी है। काशी की देव दीपावली आज संस्कृति और तकनीक दोनों का चमत्कार है। यह पर्व सिखाता है, दीप मिट्टी का हो सकता है, पर उसका संदेश अमर है, प्रकाश फैलाओ। योगशास्त्र के अनुसार यह षट्चक्र जागरण की यात्रा है, मूलाधार से सहस्त्रार तक। जब साधक इन चक्रों से ऊपर उठता है, तो अंततः शिव-शक्ति के मिलन का अनुभव करता है, यही दिव्यता है। भगवान शंकर का त्रिपुरासुर वध वास्तव में दैहिक, दैविक और भौतिक बंधनों से मुक्ति का प्रतीक है। इसलिए देव दीपावली योग की दृष्टि से प्रकाश की समाधि का दिन भी मानी जाती है।

भीष्म पंचक और ज्ञान का आलोक

महाभारत के शांति पर्व में कहा गया है, कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक भीष्म पितामह ने शरशय्या पर लेटे हुए पांडवों को दान, धर्म और मोक्ष का उपदेश दिया। भगवान श्रीकृष्ण की उपस्थिति में दिया गया यह ज्ञान कालजयी हुआ। इसी अवधि को भीष्म पंचक कहा गया, जो ज्ञान, व्रत और साधना की चरम अवधि है। स्कंदपुराण में वर्णन है, कार्तिक पूर्णिमा को दीप जलाने से ज्ञान, सदाचार और सद्भाव के दीप जीवन में प्रज्वलित होते हैं। इसलिए देव दीपावली केवल उत्सव नहीं, ज्ञान का महायज्ञ है। आज जब संसार भौतिकता के अंधकार में उलझा है, काशी बताती है कि प्रकाश केवल बिजली से नहीं, आस्था से जन्मता है। हर दीप में संदेश है, अहंकार बुझाओ, विनम्रता जलाओ। देव दीपावली की यही सार्वभौमिकता है, एक मिट्टी का दीप भी मानवता को प्रकाशमान कर सकता है। या यूं कहे अंधकार चाहे जितना गहरा हो, एक दीप पर्याप्त है। स्कंदपुराण में वर्णन है, कार्तिक पूर्णिमा को दीप जलाने से ज्ञान, सदाचार और सद्भाव के दीप जीवन में प्रज्वलित होते हैं। इसलिए देव दीपावली केवल उत्सव नहीं, ज्ञान का महायज्ञ है।

33 वर्षों बाद अमेरिका के परमाणु परीक्षण आदेश से कांपा विश्व

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा जिसमुद्दे पर हो रही है,वह है अमेरिका का 33 वर्षों के बाद पुनः परमाणु परीक्षण शुरू करने का आदेश।जिस देश ने दशकों तक पूरी दुनियाँ को परमाणु हथियारों से दूर रहने की नसीहत दी,आज वही देश फिर से न्यूक्लियर बमों की गूंज सुनना चाहता है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी सेना को परमाणु परीक्षण तुरंत शुरू करने का आदेश देने के बाद वैश्विक समुदाय में एक प्रकार की हलचल मच गई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूंकि रूस से लेकर चीन,उत्तर कोरिया से लेकर ईरानतक हर देश की निगाह अब वॉशिंगटन की ओर है। सवाल यह है कि क्या यह कदम दुनियाँ को एक बार फिर से न्यूक्लियर रेस में धकेल देगा? दुनियाँ यह देख रही है कि अमेरिका का दोहरा मापदंड ₹दूसरों को रोको, खुद करो₹ नीति का परिणाम क्या निकलेगा, अमेरिका दशकों से वैश्विक राजनीति में न्यूक्लियर नैतिकता का सारथी बनकर बैठा रहा है। उसने हमेशा अन्य देशों पर परमाणु हथियार न बनाने का दबाव बनाया। चाहे वह ईरान हो, उत्तर कोरिया हो या कभी भारत,अमेरिकी नीतियों ने हमेशा यह कहा कि परमाणु हथियार मानवता के लिए खतरा हैं।लेकिन अब वही अमेरिका,जो खुद को ग्लोबल पीस कीपर₹ कहता है, नए परीक्षणों के आदेश जारी कर चुका है। यह कदम न केवल उसकी विदेश नीति की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि उसके डबल स्टैंडर्ड की अंदरुनी नीति भी ओपन करता है।अमेरिका की यह नीति इतिहास में कई बार देखी जा चुकी है,जब वह अंतरराष्ट्रीय संधियों से खुद को अलग कर लेता है और दूसरों पर उसका पालन थोपता है,उदाहरण के लिए, ट्रंप प्रशासन ने 2018 में ईरान न्यूक्लियर डील से बाहर निकलकर वैश्विक स्थिरता को बड़ा झटका दिया था। आज 2025 में, वही नीति एक नए रूप में फिर लौट आई है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेइस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,33 वर्षों बाद अमेरिका के परमाणु परीक्षण आदेश से कांपा विश्व-क्या शुरू होगी नई न्यूक्लियर रेस?

साथियों बात अगर हम 33 वर्षों के बाद क्यों? ट्रंप की सामरिक रणनीति के संकेत को समझने की करें तो,यह सवाल सबसे अहम है कि आखिर अमेरिका ने अब ऐसा कदम क्यों उठाया? आखिरी बार अमेरिका ने 1992 में नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया था। उसके बाद उसने अंतरराष्ट्रीय दबाव और कंप्रीहेंसिव न्यूक्लियर टेस्ट बैन ट्रीटी के तहत परीक्षण रोक दिए थे। लेकिन अब ट्रंप का यह आदेश बताता है कि वाशिंगटन का इरादा वैश्विक सैन्य वर्चस्व को दोबारा स्थापित करने का है।अमेरिकी खुफिया एजेंसियों और रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, चीन और रूस की तेजी से बढ़ती परमाणु क्षमता ने ट्रंप प्रशासन को यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। रूस ने अपने हाइपरसोनिक न्यूक्लियर मिसाइल एवंगार्ड और सरमाट की घोषणा कर दी है, जबकि चीन भी डोंगफेंग-41 जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है। ट्रंप शायद यह दिखाना चाहते हैं कि अमेरिका अब भी मिलिट्री टेक्नोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक प्रतिक्रिया,रूस का जवाब और दुनिया की चिंता को समझने की करें तो,जैसे ही अमेरिका के परमाणु परीक्षण के आदेश की खबर फैली, सबसे पहले रूस ने इसका कड़ा जवाब दिया। रूसी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि यदि अमेरिका परीक्षण शुरू करता है,तो रूस भी तुरंत जवाबी परमाणु परीक्षण करेगा। यह बयान सीधे संकेत देता है कि दुनियाँ फिर से कूल्ड वॉर₹ जैसे दौर की ओर बढ़ सकती है। रूस की इस प्रतिक्रिया के बाद चीन ने भी अपनी सैन्य प्रयोगशालाओं में सुरक्षा और क्षमता वृद्धि के नाम पर तैयारी शुरू कर दी है। वहीं, यूरोप के देशों,विशेषकर फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन ने संयुक्त बयान? जारी कर कहा कि यह फैसला वैश्विक स्थिरता के लिए घातक₹ साबित हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 33 वर्षों की शांति को तोड़ने वाला यह कदम, दुनियाँ को एक और हथियारों की दौड़ में झोंक सकता है।

साथियों बात अगर हमन्यूक्लियर रेस,क्या इतिहास खुद को दोहरा रहा है? को समझने की करें तो,यदि हम इतिहास पर नजर डालें तो यह समझना कठिन नहीं कि हर बार जब किसी शक्ति ने अपने हथियारों की ताकत दिखाने की कोशिश की है, तो उसका परिणाम वैश्विक अस्थिरता के रूप में सामने आया है।1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका द्वारा किए गए दो बम विस्फोटों ने मानव सभ्यता की दिशा ही बदल दी थी।उसके बाद 1945 से अब तक लगभग 2,000 से अधिक परमाणु परीक्षण दुनिया भर में किए गए हैं।इनमें से आधे से अधिक परीक्षण अमेरिकाने अकेले किए,आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका ने करीब 1,030 परमाणु परीक्षण, रूस (पूर्व सोवियत संघ) ने 715, फ्रांस ने 210, चीन ने 45, ब्रिटेन ने 45, भारत ने 6, पाकिस्तान ने 6, और उत्तर कोरिया ने 6 परीक्षण किए हैं।यह सूची बताती है कि परमाणु शक्ति केवल ₹रक्षा₹ का माध्यम नहीं रही, बल्कि यह देशों के राजनीतिक दबाव और वैश्विक पहचान का उपकरण बन चुकी है। साथियों बात अगर हम भारत की स्थिति,संयमित शक्ति, जिम्मेदार नीति को समझने की करें तो, भारत का नाम जब भी परमाणु शक्ति वाले देशों में लिया जाता है, तो एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में लिया जाता है। भारत ने कभी भी पहले इस्तेमाल की नीति नहीं अपनाई। उसने केवल नों फर्स्ट यूज पालिसी के सिद्धांत पर चलते हुए कहा कि परमाणु हथियार केवल रक्षा के लिए हैं,आक्रमण के लिए नहीं।

भारत ने अब तक केवल दो बार परमाणु परीक्षण किए(1)1974 में ₹स्माइलिंग बुद्धा₹ नाम से, जब इंदिरा गांधी सरकार ने दुनियाँ को भारत की क्षमता दिखाई (2) 1998 में ह्लपोखरण-क्कह्न परीक्षण, जब भारत ने आधिकारिक रूप से खुद को परमाणु शक्ति घोषित किया।इसके बाद भारत ने किसी भी प्रकार का नया परीक्षण नहीं किया है।बल्कि, उसने ₹सीटीबीटी₹ पर हस्ताक्षर न करने के बावजूद उसका ह्लस्वैच्छिक पालनह्व जारी रखा है।2017 के बाद से, जब उत्तर कोरिया ने अपना आखिरी परीक्षण किया था, तब से लेकर अब तक किसी देश ने कोई नया परमाणु परीक्षण नहीं किया। इस दृष्टि से भारत की नीति अत्यंत संतुलित मानी जाती है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय समझौते और उनका भविष्य को समझने की करें तो,अमेरिका का यह कदम न केवल अंतरराष्ट्रीय राजनीति को झकझोरता है, बल्कि दशकों से चले आ रहे परमाणु निरस्त्रीकरण समझौतों पर भी प्रश्नचि लगा देता है। (1)कंप्रेहंसिव नुक्लियर टेस्ट बैन ट्रिटी (सीटीबीटी)-यह संधि 1996 में तैयार हुई थी, जिसका उद्देश्य विश्व में सभी प्रकार के परमाणु परीक्षणों को रोकना था। अमेरिका ने इसे साइन तो किया, लेकिन कभी रैटिफाई नहीं किया।(2)नॉन - प्रॉलीफेरेशन ट्रिटी (एनपीटी) -1970 में लागू हुई इस संधि के तहत देशों को परमाणु हथियार न फैलाने की जिम्मेदारी दी गई।

बोईसर में राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ द्वारा विराट कवि सम्मेलन आयोजित

देशभर के कवि कवित्रियों ने कविताओं से बांधा समां – मंच पर गूंजे राष्ट्रप्रेम, संस्कृति और एकता के स्वर

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के तत्वावधान में गुरुवार 30 अक्टूबर को पालघर जिले के बोईसर शहर (प.) तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र अंतर्गत स्थित टीमा हॉल में विराट कवि सम्मेलन का भव्य व उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ाना और गौ संरक्षण का संदेश समाज तक पहुंचाना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पमाल्य अर्पित कर किया गया। सुव्यवस्थित एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न इस कवि सम्मेलन में पालघर लोकसभा सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने बोलते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समाज में जागरूकता, एकता और भारतीयता का भाव मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में बोईसर के अनेक प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे जिनमें प्रभाकर राऊल, उदयन सावे, जगदीश धोडी, संजय पाटील, अशोक वडे, प्रशांत संखे, महेंद्र भोणे, आनंद धोडी, अशोक श्रीवास्तव, श्रीपाद तलवरकर, विनोद बाजपेई, संजीव खट्टर, स्वामी नाथ पांडेय, एड.शोभनाथ त्रिपाठी, नवीन त्रिपाठी, उद्योजक गिरजेश सिंह, मनोज मिश्रा सहित कई सामाजिक एवं उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधि व मीडियाकर्मी शामिल थे। राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का शॉल, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। मंच पर साहित्य, संस्कृति एवं भारतीय मूल्य संरक्षण पर भी सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान शिवगर्जना दल की वीर रस से ओतप्रोत प्रस्तुति ने वातावरण को ऊर्जावान बना दिया, वहीं राधाझकृष्ण नृत्य नाटिका ने प्रेम और सांस्कृतिक एकता का सुंदर संदेश दिया।

कवि सम्मेलन में देशभर से आए प्रसिद्ध कवियों ने अपनी ओजस्वी रचनाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि दीपक श्रीवास्तव (बोईसर), विनीत शंकर (दूरदर्शन पुणे), प्रदीप स्वामी (मध्यप्रदेश), कवयित्री सत्यभामा सिंह (मुंबई), रूपाली राऊत (बोईसर) व खुशबू गोयल (आकाशवाणी उदयपुर) ने हास्य, देशभक्ति और भावनात्मक कविताओं से सभागार को जीवंत बना दिया।

राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के पदाधिकारियों में शिव शंकर तिवारी, आदेश श्रीवास्तव, यजुर्वेद सावे, विनोद पोद्दार, रोहित सिंह, किशोर बड़े, पिंटू मिश्रा, विनोद शर्मा, डीएन सिंह, भीम गढ़वी, शुभम सिंह, महेश मोटे, पं. प्रेमशंकर तिवारी, जिलेदार वर्मा, सुमित ठाकुर, राकेश शर्मा तथा महिला पदाधिकारियों में शिल्पा सावे, धनश्री जेना, सुनीता सकपाल, मीना बोरसे, चांदनी सिंह, सरिता तिवारी और सुष्मिता नायक की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ पदाधिकारी ललित माली एवं लक्ष्मण बेदाडे ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते उन्हें सादर सामूहिक भोजन हेतु आमंत्रित कर कार्यक्रम का समापन किया।

आदिवासी पारधी महासंघ की ओर से प्रेरणादाई उपक्रम का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आदिवासी पारधी महासंघ के मुंबई एवं नवी मुंबई प्रदेश अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार की ओर से समाज के बच्चों को टेक्निकल फिल्ड में उतारने के लिए तरह तरह के उपक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गत दिनों

नवी मुंबई घनसोली म्हापा में वेल्डिंग एवं फैब्रिकेशन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी बच्चों को घनसोली से बस द्वारा नायगांव स्थित आरपीजी कंपनी की औद्योगिक परियोजना का निरीक्षण कराया गया। इस औद्योगिक भ्रमण के दौरान, छात्रों को औद्योगिक क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, कार्य-प्रणाली, अनुशासन एवं प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। बता दें कि आरपीजी कंपनी में उन्नत मशीनरी और कार्य प्रबंधन को देखकर छात्रों में प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार हुआ। संतोष एकनाथ पवार और बदू सावंत सर के प्रयासों से आदिवासी पाड़ा के युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता और कौशल विकास का एक नया मार्ग प्रशस्त हुआ है। उनके मार्गदर्शन से इन युवाओं को न केवल रोजगार मिल रहा है, बल्कि उद्यमिता की प्रेरणा भी मिल रही है। यह आश्वासन दिया गया कि भविष्य में ये बच्चे अपनी कंपनियाँ स्थापित करके समाज और देश का गौरव बढ़ाएँगे। यह पहल सिर्फ.एक औद्योगिक उपहार नहीं, बल्कि आदिवासी समुदाय की प्रगति में एक कदम है -ज्ञान, कौशल और आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम।

अंतर्राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में भिवंडी के खिलाड़ियों ने हासिल की जीत

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के कराटे खिलाड़ियों ने गोवा के मेसा स्थित पदम इंडोर स्टेडियम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर जीत हासिल करके पदक जीतकर भिवंडी का नाम रोशन किया जिसके पश्चात सभी खिलाड़ियों का स्वागत सम्मान किया गया और प्रोत्साहित किया गया। बतादें की यह प्रतियोगिता वर्ल्ड फनकोशी शोतोकान कराटे अर्गनाइजेशन के संस्थापक मास्टर हसन इस्माइल के मार्गदर्शन में गोवा स्थित पदम इंडोर स्टेडियम में आयोजित की गई थी जहां पर भारत सहित केनिया, आस्ट्रेलिया, नेपाल, श्रीलंका से लगभग दो हजार कराटे खिलाड़ियों ने सहभाग लिया था जहां पर भिवंडी शहर के आल स्पोर्ट्स कराटे डु फाउंडेशन और भिवंडी यूथ स्पोर्ट्स अकेडमी से कुल 12 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और काता कुमिते प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने शहर में 7 स्वर्ण, 6 रजत और 4 कांस्य पदक लाकर नाम रोशन किया! विशेषतः इन खिलाड़ियों का सामना केनिया के खिलाड़ियों से हुआ जहां पर केनिया के खिलाड़ियों को मात देकर भिवंडी के खिलाड़ियों ने अपना स्थान कायम रखकर जीत हासिल की, जिसके पश्चात लिटिल चैप स्कुल की संस्थापिका खिलना शाह और कल्पेश शाह, मास्टर अली मेमन, फिरोज मेमन, अरविन्द जैसवार द्वारा सभी खिलाड़ियों का स्वागत सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया जहां पर पालक वर्ग भी उपस्थित थे! मुख्यतः कराटे कोच अली मेमन, अंबर मेमन, सर्वेश साहनी, सालिक अंसारी,आफताब सर, अरकम सर ने खिलाड़ियों को इस मुकाम तक पहुंचाने में अथक प्रयास किया!

पानी की विकट समस्या से जूझते जयराम स्मृति रहवासी, चंदा जमाकर टैंकर से मंगाया जा रहा पानी

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली के अजड़े गाँव में जयराम स्मृति भवन के निवासियों को पानी की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। भवन में 21 परिवार रहते हैं, लेकिन पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण उन्हें टैंकर से पानी मंगवाना पड़ रहा है। निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र की अन्य इमारतों ने अवैध रूप से पानी की लाइन जोड़ ली है, जिससे उनकी पानी की समस्या और बढ़ गई है। बतादें की भारी बारिश के कारण, बाँधों में पर्याप्त पानी होने के बावजूद, जयराम स्मृति के निचले टैंक में एक फुट भी पानी नहीं है। इसलिए, इस इमारत के निवासी घरेलू चंदा लेकर टैंकर मँगवा रहे हैं। साथ ही, कई परिवार व्यक्तिगत रूप से छोटे टैंकर मँगवाकर गुजारा कर रहे हैं। पानी की आपूर्ति न होने के कारण, न केवल यह दूर है, बल्कि मेहमानों को घर बुलाने की भी सुविधा नहीं है।

श्रीराम सुपर 5-SR-05 और 303 गेहूं बीज से मिल रही किसानों को रिकॉर्ड उपज, इस साल भी इन्हीं किस्मों पर भरोसे का रुझान

मुंबई/पटना। बिहार में गेहूं की खेती में श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित 'श्रीराम सुपर 5-SR-05' और 'श्रीराम सुपर 303' गेहूं बीजों ने उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। इन उन्नत किस्मों ने किसानों के बीच उच्च उपज, रोग प्रतिरोधकता और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अनुकूलता के लिए ख्याति प्राप्त की है। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई गेहूं की किस्में, श्रीराम सुपर 5-SR-05 और 303, इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं। इनमें कल्ले ज्यादा और बालियां लंबी है, और यह रोगों के प्रति सहनशील है।सबसे खास बात यह है कि बदलती प्रकृति से उभर रही नई-नई चुनौतियों में भी इन किस्मों के परिणाम श्रेष्ठ हैं। अपनी इन्हीं विशेषताओं के चलते ये दोनों किस्में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के किसानों की पहली पसंद बन गई हैं। बिहार के अनुभवी किसान अवधेश पासवान बताते हैं कि इस साल उन्होंने अपने खेत में श्रीराम सुपर 5-SR-05 गेहूं की बुवाई की। उनका कहना है कि इस किस्म का तना बेहद मजबूत है, जिससे फसल गिरने की संभावना नहीं रहती।

400 कोरेक्स सीरप के साथ एक नशे के सौदागर गिरफ्तार

कल्याण डीसीपी स्कॉड की कार्रवाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नशे के सौदागर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 400 कोरेक्स सीरप की बोतलें बरामद की गई हैं, जिनकी कीमत लगभग 4 लाख रुपये है। यह कार्रवाई डीसीपी परिमंडल-3 के विशेष स्क्वाड ने की है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी मोहम्मद मताब अनिस रईस (33) फिश मार्केट, मौलाना शौकत अली चौक, कल्याण पश्चिम निवासी को मौके पर ही गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से 60,हजार रुपए की कीमत की मोटरसाइकिल और 3,660 नकद रुपये भी जप्त की गई। बाजारपेठ पुलिस थाने में उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ पहले भी एमएफसी पुलिस थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह नशे का माल आरोपी को कहां से मिलता था और इसकी सप्लाई किसे की जाती थी।

मीरा भायंदर में केरल समाज भवन का भूमि पूजन संपन्न

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर एक ऐसा शहर है जहां सभी धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों का संगम खूबसूरती से दिखाई देता है। इस सांस्कृतिक विविधता को मजबूत करने और प्रत्येक समुदाय को अपनी संस्कृति, परंपरा और विश्वास को संरक्षित करने में सक्षम बनाने के लिए, मीरा भायंदर शहर में विभिन्न सामुदायिक भवनों के निर्माण का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मंत्री प्रताप सरनाईक ने आज मीरा भायंदर में कई वर्षों से रह रहे केरल समुदाय की लंबे समय से चली आ रही मांग को हरी झंडी दे दी। आज केरल वर्षगांठ के शुभ अवसर पर, ड्रीम प्रोजेक्ट केरल समाज भवन का शिलान्यास महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक की मां इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक के शुभ हाथों से किया गया। संस्कृति के प्रति सम्मान, समाज पर गर्व है।

वार्ड क्रमांक 10, आरक्षण क्रमांक 219 में हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे मैदान के पास बनने वाला यह आधुनिक केरल समाज भवन केरल समाज की सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों का केंद्र होगा। यहां केरल की पारंपरिक कला, संगीत, नृत्य और त्योहारों का आयोजन करके समुदाय की सद्भावना और विरासत को संरक्षित किया जाएगा। यह भवन केरल समाज को अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए एक स्थायी मंच प्रदान करेगा। मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा शुरू किए गए मीरा भायंदर में समाज भवनों का निर्माण न केवल विकास की जीत है, बल्कि सामाजिक सद्भाव, संस्कृति के प्रति सम्मान और विविधता में एकता की भी जीत है। इसी विचार से प्रेरित होकर मीरा भायंदर शहर सभी समुदायों को एक साथ लाकर प्रगति के एक नए पथ पर अग्रसर है।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सरनाईक ने कहा, मीरा भायंदर शहर विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं का संगम वाला एक सुंदर शहर है।

प्रत्येक समुदाय को अपनी संस्कृति को संरक्षित करने और मनाने में सक्षम होना चाहिए, यही एकता की सच्ची शक्ति है। केरल समाज भवन केवल एक इमारत नहीं है, बल्कि सामुदायिक पहचान, परंपरा और गौरव का एक स्तंभ बनेगा। सभी समाज भवनों के निर्माण का हमारा संकल्प विकास के साथ संस्कृति का सम्मान है, यही मीरा भायंदर की असली पहचान है।

उत्तर भारतीय संघ भवन की भव्यता बनेगी समाज की पहचान

विधायक राजहंस सिंह ने अपनी निधि से दिए एक करोड़

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह, संघ के सर्वांगीण विकास के समर्पित भावना के साथ दिन-रात काम कर रहे हैं महाराष्ट्र विधान परिषद सदस्य विधायक राजहंस सिंह ने अपनी विधायक निधि से उत्तर भारतीय संघ भवन के विकास काम के लिये एक करोड़ रुपए की निधि मंजूर कराया है इसका सारा श्रेय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह एवं कार्यसमिति के सदस्यों को जाता है। भवन के विकास कार्य का उदघाटन आज विधायक राजहंस सिंह के कर-कमलों द्वारा उत्तर भारतीय संघ भवन के मुख्य द्वार पर पूजा-पाठ के साथ नारियल फोडकर किया गया। कार्यक्रम में संघ के कार्याध्यक्ष बाबू शारदा प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष डॉ राधेश्याम तिवारी, संजय सिंह ,डॉ किशोर सिंह ,संघ के महामंत्री देवेंद्र तिवारी, नंदलाल उपाध्याय, अशोक दुबे ,चंद्रभान सिंह, सुरेंद्र गिरी, उदय प्रताप सिंह, प्रल्हाद पांडे, श्रीनिवास तिवारी, विजय सिंह, आदित्य दुबे,राजकुमार सिंह, मुकेश सिंह, रामनयन शर्मा, रेणू मल्लाह, बी डी सिंह, संजू राजेश सिंह, मुकुंद शर्मा समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। अंत में संतोष आरएन सिंह ने विधायक राजहंस सिंह तथा पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा का विशेष आभार मानते हुए समस्त लोगों को धन्यवाद दिया।

बोईसर में केमटेक्स पेट्रोकेमिकल लिमिटेड इंडस्ट्रियल एंड ऑटोमोबाइल डीलरशिप केंद्र का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर के नवापुर रोड स्थित ब्ल्यू डायमंड होटल के पीछे दौलत गार्डन परिसर में सरस्वती अपार्टमेंट के शॉप नं. 2 में केमटेक्स पेट्रोकेमिकल लिमिटेड (सूरत जोन) के इंडस्ट्रियल एंड ऑटोमोबाइल डीलरशिप केंद्र कमल इंटरप्राइज का भव्य उद्घाटन शनिवार 1 नवंबर को अनेक गणमान्य अतिथियों की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ अंगदपाल कंपनी के एम.डी. रणवीर शर्मा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर केंद्र के संचालक कमलाकांत पाठक ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर हार्दिक स्वागत किया। इस दौरान केमटेक्स पेट्रोकेमिकल लिमिटेड इंडस्ट्रियल एंड ऑटोमोबाइल के चीफ एम.डी. प्रमोद सिंह ने बताया कि कंपनी ग्राहकों को शुद्धता एवं उच्च गुणवत्ता वाले ऑयल किफायती दरों पर उपलब्ध कराती है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता और विश्वसनीयता ही हमारी पहचान है, जिसके चलते आज कंपनी का कारोबार लाखों लीटर ऑयल तक पहुंच गया है। उद्घाटन समारोह में डिविजनल

एम.डी. संतोष सिंह, समाजसेवी एड. शोभनाथ त्रिपाठी, लोक कल्याण संस्था प्रमुख स्वामीनाथ पांडेय, पी.एफ. कार्यालय बोईसर के प्रमुख राकेश पांडेय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने कमल इंटरप्राइज के संचालक कमलाकांत पाठक को पुष्पगुच्छ देकर हार्दिक शुभकामनाएं एवं उज्जवल भविष्य की बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने केमटेक्स पेट्रोकेमिकल लिमिटेड के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा बोईसर में स्थापित इस नए डीलरशिप केंद्र से क्षेत्र में औद्योगिक और ऑटोमोबाइल सेवाओं के क्षेत्र में नए अवसर खुलने की संभावना जताई।

प्रेमलता वंद्रावन शाह चैरिटीज और रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे ने सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर्स के साथ 21 आवासीय केंद्रों का उद्घाटन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रेमलता वंद्रावन शाह चैरिटीज और रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे ने सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर्स के साथ मिलकर नवी मुंबई में एक नए, अत्याधुनिक सुविधा केंद्र में 21 आवासीय केंद्रों का उद्घाटन किया, जो बाल कैंसर से जूझ रहे परिवारों की सहायता के लिए एक नया अध्याय शुरू करेगा। ये केंद्र, इन साझेदारों द्वारा चल पूंजीगत व्यय के लिए दिए गए सहयोग से संभव हुए हैं और टाटा मेमोरियल सेंटर के एक भाग, एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर के भीतर स्थित हैं। यह नया परिसर कमजोर परिवारों को समग्र सहायता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उद्घाटन प्रेमलता वंद्रावन शाह चैरिटीज के दिलीप शाह और सुधीर शाह की उपस्थिति में हुआ, साथ ही मुख्य अतिथि रोटेरियन डॉ. मनीष मोटवानी, जिला गवर्नर, आरआईडी 3141, और सम्माननीय अतिथि रोटेरियन बिमल मेहता, अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे, और रोटेरियन हितेश फोजदार, अध्यक्ष, रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे हैंगिंग गार्डन, साथ ही सुश्री मनीषा पार्थसारथी, अध्यक्ष, सेंट ज्यूड्स इंडिया, और अनिल नायर, सीईओ, सेंट ज्यूड्स इंडिया भी उपस्थित थे।

सभी 21 केंद्रों के चल पूंजीगत व्यय के लिए अपने समर्थन के अलावा, प्रेमलता वंद्रावन शाह चैरिटीज और रोटरी क्लब ने केंद्र और अस्पताल के बीच परिवारों के दैनिक परिवहन की सुविधा के लिए 25 सीटों वाली वैन का भी योगदान दिया है, जिससे उपचाराधीन बच्चों के लिए सहायता प्रणाली को और अधिक मजबूत किया जा सके।

रोटेरियन दिलीप शाह अपने भाइयों रोहित और सुधीर शाह के साथ लगभग दो दशकों से सेंट ज्यूड्स इंडिया के एक अटल राजदूत रहे हैं। अपने परिवार की प्रसिद्ध परोपकारी शाखा, प्रेमलता वंद्रावन शाह चैरिटीज के माध्यम से, वह वर्तमान में सेंट ज्यूड्स के मुंबई केंद्रों में 30 पारिवारिक इकाइयों का समर्थन करते हैं, साथ ही कॉटन ग्रीन में तीन और हैदराबाद में एक केंद्र के पूंजीगत व्यय का वित्तपोषण भी करते हैं।

पीवीएससी के रोटेरियन दिलीप शाह ने कहा, पीवीएससी लंबे समय से सेंट ज्यूड्स से जुड़ा हुआ है, लेकिन इस नए खारघर प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना हमारे लिए ईश्वर का वरदान है। बच्चों के कैंसर से जूझ रहे माता-पिता की स्थिति की कल्पना कीजिए, जिन्हें सुरक्षित आवास और पोषण संबंधी सहायता के अभाव में इलाज बीच में ही छोड़ना पड़ रहा है। सेंट ज्यूड्स के सीईओ अनिल नायर ने कहा, जो परिवार अपने बच्चे के कैंसर के इलाज के लिए बड़े शहरों में जाते हैं, उनके लिए सेंट ज्यूड्स आराम और देखभाल से कहीं बढ़कर है—यह उन्हें 'घर से दूर घर' जैसा माहौल देता है।

गीरगंगा परिवार ट्रस्ट द्वारा दिसंबर में राजकोट में डॉ. कुमार विश्वास की तीन दिवसीय जलकथा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गीरगंगा परिवार ट्रस्ट की जलसंचय के क्षेत्र में की गई सतत और अथक मेहनत के परिणामस्वरूप सौराष्ट्र और गुजरात में परिवर्तन की एक नई शुरूआत हो रही है। इसी दिव्य कार्य को और अधिक बल देने के लिए हिंदी जगत के सुप्रसिद्ध कवि, दार्शनिक और कथाकार डॉ. कुमार विश्वास दिसंबर महीने में राजकोट में तीन दिनों तक जलकथा : अपने अपने श्याम की करेंगे।

गीरगंगा परिवार ट्रस्ट के प्रमुख दिलीपभाई सखिया और ट्रस्ट के मार्गदर्शक व प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष डॉ. भरतभाई बोगरा ने दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और पूर्व गुजरात भाजपा अध्यक्ष सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में डॉ. कुमार विश्वास से मुलाकात की थी। इस बैठक में गीरगंगा ट्रस्ट की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी लेने के बाद डॉ. विश्वास ने राजकोट में तीन दिवसीय जलकथा करने की सहमति दी।

विशेष रूप से शिक्षित वर्ग और युवाओं में अत्यधिक लोकप्रिय डॉ. कुमार विश्वास केवल कवि ही नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में एक गहन चिंतक भी हैं। वे सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों पर अपने विचारों को स्पष्ट और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं। अपने प्रवचनों और कथाओं के माध्यम से वे भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर बल देते हैं। उनके विषयों में प्रमुख रूप से राम, रामायण, श्रीकृष्ण, महाभारत और अन्य प्राचीन ग्रंथों का समावेश होता है।

आगामी 15, 16 और 17 दिसंबर को प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक डॉ. कुमार विश्वास ह्यजलकथा : अपने अपने श्याम कीह्न विषय पर प्रवचन देंगे। नई पीढ़ी को नए विचार और दृष्टिकोण देने के उद्देश्य से गीरगंगा परिवार ट्रस्ट ने इस व्यासपीठ के लिए डॉ. विश्वास को आमंत्रित किया है। कथा में वे न केवल श्रीकृष्ण की कथाओं का वर्णन करेंगे, बल्कि जलसंचय की आवश्यकता और महत्व पर भी विस्तार से चर्चा करेंगे। कथा से पूर्व, जलसंचय जनजागृति के तहत देश की 111 पवित्र नदियों का जल कुंभ में भरकर राजकोट लाया जाएगा। 14 दिसंबर को इन सभी नदियों के जल का विधिवत पूजन यजमान दंपतियों के हाथों कराया जाएगा। यह उल्लेखनीय है कि केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल इस आयोजन में गहरी रुचि लेकर हर स्तर पर मार्गदर्शन दे रहे हैं। भारत सरकार द्वारा स्वीकृत चार जलसंचय मॉडलों में गीरगंगा का मॉडल शीर्ष पर है। जलशक्ति मंत्रालय ने ट्रस्ट के साथ एमओयू कर उनके कार्यों के लिए एक विशेष पोर्टल भी आवंटित किया है। हाल ही में लोकसभा में भी गीरगंगा परिवार ट्रस्ट के कार्यों की सराहना की गई थी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

कोतवाली पुलिस टीम ने सरकार द्वारा जारी किये गये नये कानून के सम्बन्ध में किया जागरुक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर पुलिस अधीक्षक नगर, आयुष श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन व सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर विश्वनाथ प्रताप सिंह के कुशल नेतृत्व में आज दिनांक 01-11-2025 को थाना स्थानीय अन्तर्गत पड़ने वाले चौकियो के चौकी प्रभारी द्वारा अपने टीम के द्वारा थाना क्षेत्र के प्रमुख चौराहे एवं तिराहे जैसे कोतवाली चौराहाँ, चहारसू चौराहाँ , पालीटेक्निक चौराहाँ, सिपाहँ चौराहा, चाचकपुर फूलमण्डी, बल्लोचटोला, शकरमण्डी तिराहाँ पर मौजूद रहकर भारत सरकार द्वारा लागू किये गये नये कानून के सम्बन्ध मे जनता के व्यक्तियो को भा०द०वि० से संशोधित नये कानून बी०एन०एस० एवं बी०एन०एस०एस० के सम्बन्ध मे किये गये बदलाव के सम्बन्ध मे जागरुक करते हुये जानकारी प्रदान किया गया तथा पुराने कानून की धारा जो बीएनएस मे परिवर्तित होकर कौन सी धारा लागू हुयी है उसके सम्बन्ध मे जानकारी प्रदान की गयी। तथा थाना क्षेत्र के विद्यालय, मो0 हसन बालिका इण्टर कालेज, मो0 हसन डिग्री कालेज, कृष्ण दत्त इण्टर कालेज, शिया इण्टर कालेज, राजा कृष्ण दत्त पीजी कालेज के प्राँगण मे विद्यालय के छात्र एवंम छात्राओ तथा विद्यालय मे कार्यरत अध्यापकगणो को भारत सरकार द्वारा लागू किये गये नये कानून के सम्बन्ध मे जनता के व्यक्तियो को भा0द0वि0 से संशोधित नये कानून बी०एन०एस० एवं बी०एन०एस०एस० के सम्बन्ध मे किये गये बदलाव के सम्बन्ध मे जागरुक करते हुये जानकारी प्रदान किया गया तथा पुराने कानून की धारा जो बीएनएस मे परिवर्तित होकर कौन सी धारा लागू हुयी है उसके सम्बन्ध मे जानकारी प्रदान की गयी।

मो.हसन पी.जी. कॉलेज और आईईएसआर के बीच शैक्षणिक साझेदारी हेतु एमओयू हस्ताक्षर

शोध, नवाचार और कौशल विकास की दिशा में एक नया अध्याय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक नवम्बर 2025:जौनपुर स्थित मो० हसन पी.जी. कॉलेज और इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस साइंस एंड रिसर्च (आईईएसआर) के मध्य आज एक ऐतिहासिक एमओयू (Memorandum of Understanding) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करने, नवाचार को प्रोत्साहन देने तथा छात्रों के शोध एवं तकनीकी कौशल के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह एमओयू कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान एवं आईईएसआर के डायरेक्टर ऑफ रिसर्च डॉ. अमित कुमार चतुर्वेदी द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। यह सहयोग समझौता आगामी पाँच वर्षों तक प्रभावी रहेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने कहा कि इस समझौते से फैकल्टी ऑफ साइंस के अंतर्गत संचालित विषयों– बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, जूलॉजी और बॉटनी के विद्यार्थियों को नई दिशा और अवसर प्राप्त होंगे। एमओयू के तहत इंटर्नशिप, छात्र प्रशिक्षण, और उन्नत प्रयोगशाला तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा, जिससे विद्यार्थी भविष्य में इंडस्ट्रियल करियर एवं उच्च अनुसंधान संस्थानों में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

डॉ. अमित कुमार चतुर्वेदी, डायरेक्टर ऑफ रिसर्च, आईईएसआर ने बताया कि इस सहयोग के अंतर्गत छात्रों को नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग, एडवांस मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, जीन एक्सप्रेशन, फॉरेंसिक साइंस, डीएनए एनालिसिस, नैनोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोइन्फरमेटिक्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह पहल छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए ज्ञान, कौशल और प्रयोगात्मक क्षमता को विस्तार देने का उत्कृष्ट अवसर होगी।

आईईएसआर के मैनेजर युवांक प्रताप सिंह ने बताया कि आईईएसआर के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्रेटर नोएडा, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु और पटना में संचालित हैं, जहाँ विद्यार्थियों को नवीनतम जीवन विज्ञान तकनीकों का प्रशिक्षण एवं प्रयोगात्मक शिक्षा प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य छात्रों को ग्लोबल स्टैंडर्ड की लैब ट्रेनिंग देना है ताकि वे देश-विदेश की प्रतिष्ठित इंडस्ट्री और रिसर्च लैब्स में सफलता प्राप्त कर सकें।

बायोटेक्नोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज का यह एमओयू छात्रों के लिए शैक्षणिक समृद्धि और शोध उत्कृष्टता की नई दिशा तय करेगा। उन्होंने बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में उभरती तकनीकों की महत्ता और उनके सामाजिक उपयोग पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एमएससी की छात्राएँ मुबरम खान और रिषिका साहू ने कुशलतापूर्वक किया।

इस अवसर पर डॉ. जीवन यादव, डॉ. ममता सिंह, डॉ. निलेश सिंह, डॉ. सतीश चन्द्र दुबे, डॉ. धर्मेन्द्र जैसवाल, डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, डॉ. मयंक सिंह, डॉ. वैशाली सिंह, इफ्फत जकीरा, अलीशा सहित विज्ञान संकाय के सभी सदस्य उपस्थित रहे। यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग, नवाचार और अनुसंधान उत्कृष्टता की दिशा में दीर्घकालिक एवं सार्थक साझेदारी की नींव रखता है।

शोध में एसएलआर के महत्व पर हुई विस्तार से चर्चा

व्यावहारिक मनोविज्ञान में सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यू पर हुई कार्यशाला

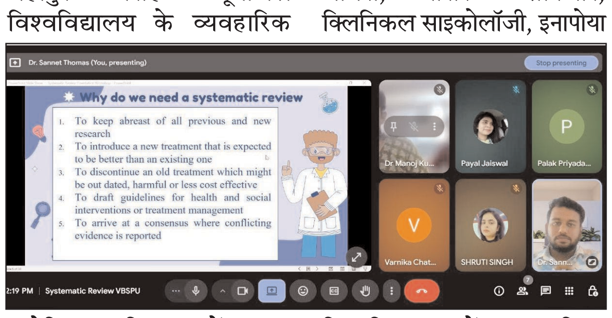

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यवहारिक मनोविज्ञान विभाग में आज स्नातक, परास्नातक, शोधार्थियों एवं पूर्व छात्रों के लिए सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यू (एसएलआर) विषय पर एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में विभाग के पूर्व छात्र डॉ. सेनट थॉमस, असिस्टेंट प्रोफेसर, क्लिनिकल साइकोलॉजी, इनापोया विश्वविद्यालय, बेंगलुरु उपस्थित रहे। डॉ. थॉमस ने शोध में एसएलआर के महत्व, उसकी प्रक्रिया, तथा प्रयुक्त होने वाले विभिन्न सॉफ्टवेयर और वेबसाइट की जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने बताया कि व्यवस्थित साहित्य समीक्षा का उद्देश्य किसी विशिष्ट शोध प्रश्न पर उपलब्ध साक्ष्यों का निष्पक्ष विश्लेषण और सार तैयार कर भविष्य के शोध की दिशा निर्धारित करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने की। संचालन प्रशिक्षण कार्यशाला के संयोजक डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संजीव यादव ने दिया। इस अवसर पर प्रो अजय प्रताप सिंह, पायल, संजीव यादव, सोनाली मिश्रा, श्रुति सिंह, अनुराधा, अर्शिया, पूजा, कुमकुम, श्रेया, प्रीति, उमंग, नैतिक, उमम, ऋतिक, शंभूनाथ आदि उपस्थित रहे।

प्रतापगढ़ के सपूत डीआईजी राजीव पाण्डेय को 'केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक'

पाहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने पर मिला बड़ा सम्मान

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के पट्टी तहसील क्षेत्र के अशोकपुर गाँव के सपूत डीआईजी राजीव पाण्डेय ने एक बार फिर जिले का नाम रोशन किया है। उन्हें केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक (Medal for Excellence in Service) से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें पाहलगाम आतंकी हमले का सफलतापूर्वक बदला लेने और आतंकवाद विरोधी अभियानों में अद्वितीय नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया है। अशोकपुर गाँव में उनके इस सम्मान की खबर से लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। परिजन और ग्रामीणों ने मिठाई बाँटकर अपने सपूत की उपलब्धि पर गर्व जताया। ग्रामीणों का कहना है कि डीआईजी राजीव पाण्डेय की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

ब्लॉक स्तरीय गणित ओलंपियाड परीक्षा में यूपीएस अशोकपुर कला की सृष्टि मौर्य प्रथम

सुइथाकला,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा ब्लॉक स्तरीय गणित ओलंपियाड परीक्षा शनिवार को बीआरसी में आयोजित हुई। इस परीक्षा में यूपीएस अशोकपुर कला की सृष्टि मौर्य को प्रथम एवं भुसौड़ी के अभियांशु एवं सुइथाकला के प्रियांश को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। इसमें विकासखंड क्षेत्र के सफल टॉप 10 के छात्रों का चयन जिला स्तरीय परीक्षा के लिए हुआ है। इस उपलब्धि पर बीएसए डॉ. गोरखनाथ पटेल ने प्रधानाध्यापक सतीश सिंह तथा पारसनाथ यादव समेत सभी शिक्षकों के सार्थक प्रयास, कठिन परिश्रम, समर्पण एवं सक्रिय योगदान की सराहना की। बीएसए ने अभिभावकों और छात्रों के संयुक्त प्रयास की बदौलत मिली सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने आगामी जिला स्तरीय परीक्षा में और भी बेहतर परीक्षा परिणाम लाने के लिए अग्रिम बधाई दी है। गांधी स्मारक विद्यालय संकुल के प्रबंधक हृदय प्रसाद सिंह रानू, स्काउट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त डॉ. रणजीत सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. उमेश चंद्र तिवारी, एबीएसए आनंद प्रकाश सिंह ने कहा कि सुइथाकला शिक्षा के क्षेत्र में जिले में ही नहीं बल्कि प्रदेश में अपना एक अलग स्थान रखता है। शिक्षा के क्षेत्र में यह विकासखंड क्षेत्र में हमेशा से अपनी एक अलग मिसाल कायम की है। हर प्रतियोगी परीक्षाओं में इस क्षेत्र से होनहार प्रतिभाएं हमेशा निखर कर केवल प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का परचम लहराती हैं। यह सफलता ही इसका प्रमाण है। प्रबंधक सुरेश पांडेय, प्रधानाचार्य डॉ. अजेय प्रताप सिंह, अंग्रेजी एवं भौतिकी प्रवक्ता विनय त्रिपाठी और धर्मदेव शर्मा, डॉ. राकेश चंद्र तिवारी, पर्यवेक्षक अवधेश यादव, एआरपी अनिल कुमार, शिक्षक संघ के जिला मंत्री दुष्यंत मिश्र, ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. रणंजय सिंह एवं सुधाकर सिंह, संजय सिंह, रमेश सिंह, इमरान अंसारी, हरि गोविंद दयाल आदि लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

बदलापुर पुलिस ने देशी तमंचा व कारतूस के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्राधिकारी बदलापुर, विवेक सिंह के कुशल पर्यवेक्षण मे प्रभारी निरीक्षक बदलापुर शेष कुमार शुक्ला के कुशल संचालन मे विशेष अभियान चलाकर थाना बदलापुर पुलिस टीम उ0नि0 गोरखराम शास्त्री मय हमराहियान द्वारा चेकिंग संदिग्ध वस्तु एवं व्यक्ति के दौरान चकरिया घाट पुल के पास से दिनांक-01.11.2025 आरोपी दीपक यादव उर्फ सोनू पुत्र जयशंकर यादव ग्राम रारीखुर्द थाना बदलापुर जनपद जौनपुर के पास से 01 देशी तमंचा .315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ जिसे कारण गिरफ्तारी बताकर हिरासत पुलिस लिया गया। बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

चकमार्ग पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने का निर्देश

समाधान दिवस पर 104 शिकायतों में किसी का निस्तारण नहीं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय कुमार अंबष्ट की अध्यक्षता में तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 104 शिकायतें आईं जिसमें एक भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हुआ छाछो गांव के अशोक कुमार यादव ने सरकारी चकमार्ग संख्या 16 पर अतिक्रमण का आरोप लगाया और वर्ष 2018 से आधा दर्जन शिकायती पत्र देने के बाद कोई कार्यवाही न होने का आरोप लगाया तो मुख्य राजस्व अधिकारी ने तहसीलदार को निर्देश दिया कि अतिक्रमण कारियों के विरुद्ध तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाय। खजुरहट गांव निवासी सुभाष,मालती,संतोष ने आबादी में स्थित 100 वर्ष पुराने कुएं को तोड़कर गांव के ही तिलक राज वर्मा पर अतिक्रमण का आरोप लगाया जिसमें राजस्व अधिकारियों एवं पुलिस बल की टीम को मौके पर जाकर अवैध कब्जेदार के विरुद्ध कार्यवाही का निर्देश दिया गया। कटाहित खास के नरेंद्र कुमार एवं कसेरवा के अभिमन्यु ने चकमार्ग पर एवं सलारपुर की चंद्रमा देवी ने नवीन परती पर अतिक्रमण हटाने की मांग की राजस्व कर्मियों को तत्काल कार्यवाही का निर्देश दिया गया। समाधान दिवस पर भूमि संबंधी शिकायतों की अधिकता रही इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुमार सौरभ,तहसीलदार रवि रंजन कश्यप,नायब तहसीलदार संतोष कुमार,अधिशासी अधिकारी विजय कुमार सिंह,खंड विकास अधिकारी अंजली भारतीय सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर लगा स्वास्थ्य शिविर, 186 लोगों को जांच कर दी गई निःशुल्क दवा

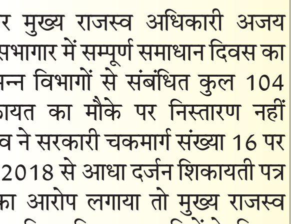

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर राजकीय आयुर्वेदिक/होमियोपैथी चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जांच कर निःशुल्क दवा वितरण किया गया। स्थानीय तहसील परिसर में जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मीरगंज, एवम राजकीय होमियोपैथी चिकित्सालय मझगवा द्वारा निःशुल्क जांच कर लोगों को दवा वितरण किया गया। उस शिविर में डॉ. सुदर्शन बिंद, डॉ. विनोद कुमार शर्मा, शमसेर अली, पवन कुमार आदि थे।

मोदनवाल समाज शाहगंज ने मनाया कुलदेवता का जन्म उत्सव

भारी संख्या में पहुंचे मोदनवाल समाज के लोग

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति) । मोदनवाल समाज शाहगंज के तत्वाधान में नगर के उत्सव वाटिका प्रांगण संगत नगर में आज समाज के गौरव कुलदेवता भगवान मोदनसेन महाराज की जयंती बड़े ही उत्साह पूर्वक धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोदनवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम दास मोदनवाल नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानपुर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री हरिशंकर मोदनवाल नागेंद्र मोदनवाल रहे। कार्यक्रम में नगर के स्वजातीबंधुओं के परिवार के बच्चों द्वारा मनमोहक नित्य व नाटक प्रस्तुत किया गया कार्यक्रम में महिला मोदनवाल समाज का शपथ ग्रहण हुआ जिसमें शालू मोदनवाल ने अध्यक्ष पद की शपथ ली।

मुख्य अतिथि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कुल देवता के गौरव का बखान किया साथ ही उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान भी किया विशिष्ट अतिथि ने मोदनवाल समाज के बारे में चिंता व्यक्त की और राजनीतिक और सामाजिक जीवन में भागीदारी और महिलाओं को आगे आने पर विचार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में आये हुए सभी स्वजाति बंधुओं का आभार मोदनवाल समाज के अध्यक्ष व राष्ट्रीय युवा संयोजक अनिल कुमार मोदनवाल ने व्यक्त किया।

संचालन भुवनेश्वर मोदनवाल सभासद नगर पालिका परिषद व मोदनवाल ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश मोदनवाल, महामंत्री शिवेंद्र मोदनवाल, पहलाद मोदनवाल कोषाध्यक्ष नारायण विष्णु मोदनवाल, अग्रहरि समाज के अध्यक्ष सिम प्रकाश अग्रहरि, सिंपू जियालाल मोदनवाल, रामप्रकाश मोदनवाल, दीपक मोदनवाल, दिनेश मोदनवाल, पहलाद मोदनवाल, युवा अध्यक्ष चंदन मोदनवाल सुशील मोदनवाल, संजय मोदनवाल, बैजनाथ, नीलेश, प्रशेष मोदनवाल आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बहराइच में लौह पुरुष की 150 वीं जयंती के अवसर पर भाजपा द्वारा ने आयोजित किया रन फॉर यूनिटी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। जनपद बहराइच में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप डॉ. प्रियंका मौर्य को सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मंत्री राकेश रैठौर, जिलाध्यक्ष बृजेश पांडे, सांसद आनंद कुमार, विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, विधायक श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक नानपारा राम निवास वर्मा, जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह, महामंत्री नन्हे लाल लोधी, कार्यक्रम संयोजक राहुल रॉय जी सहित बड़ी संख्या में अधिकारीगण, कार्यकर्तागण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। लौह पुरुष सरदार पटेल का जीवन एकता, अखंडता और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का अद्भुत उदाहरण है। आइए, हम सब मिलकर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लें।

बदलापुर महोत्सव के दौरान आयोजित सामूहिक विवाह के दृष्टिगत तहसील मछलीशहर में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चन्द्र के निर्देशन में बदलापुर महोत्सव के दौरान आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दृष्टिगत, तहसील मछलीशहर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस नामित मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

इस दौरान सम्पूर्ण समाधान दिवस में आए हुए फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान अधिकांश शिकायतें राजस्व, पुलिस, विद्युत, नगर पालिका एवं विकास विभागों से संबंधित प्राप्त हुईं।

मुख्य राजस्व अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान अपराह्न एक बजे तक लेखपाल सर्किल कोड़ाऊ राजपति सरोज की अनुपस्थिति पाई गई। उक्त लेखपाल से दूरभाष के माध्यम से वार्ता की गई। उसके द्वारा बताया गया कि वह फार्मर रजिस्ट्री के कार्य कर रहा है जांच करने पर पता चला कि उक्त लेखपाल ने न तो तहसील में उपस्थिति दर्ज की थी और न ही फार्मर रजिस्ट्री का कोई कार्य किया था। इस गंभीर लापरवाही एवं शासनादेशों की अवहेलना को दृष्टिगत रखते हुए मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट ने संबंधित लेखपाल के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु तहसीलदार एवं उप जिलाधिकारी मछलीशहर को निर्देशित किया।

मुख्य राजस्व अधिकारी ने इस अवसर पर सभी राजस्व निरीक्षकों के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व निरीक्षक द्वारा अपने अधीनस्थ लेखपालों पर अपेक्षित नियंत्रण नहीं रखा जा रहा है और न ही उनके कार्यों की नियमित समीक्षा की जा रही है। अधिकांश राजस्व निरीक्षक यह बताने में असमर्थ रहे कि उनके क्षेत्र में प्रत्येक लेखपाल द्वारा प्रतिदिन कितनी फार्मर रजिस्ट्री की प्रविष्टियाँ की जा रही हैं।

इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य राजस्व अधिकारी ने तहसीलदार मछलीशहर को निर्देशित किया कि सभी राजस्व निरीक्षकों को सचेत किया जाए तथा प्रतिदिन सायं 6 बजे तक फार्मर रजिस्ट्री कार्य की दैनिक समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री कार्य में गति लाने हेतु सभी स्तरों पर जवाबदेही तय की जाए, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप कार्य समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से संपन्न हो सके।

इसके साथ ही समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील मड़ियाहूँ में अपर जिलाधिकारी वि०रा० राम अक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक सुनते हुए समस्याओं का निस्तारण किया गया तथा शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बन्धित अधिकारियों को ससमय निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

आई ट्रिपल ई स्थापना सप्ताह में छात्रों ने दिखाई तकनीकी प्रतिभा, टेक क्वेस्ट में उमड़ा उत्साह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में शनिवार को आई ट्रिपल ई (IEEE) स्टूडेंट ब्रांच द्वारा आई ट्रिपल ई स्थापना सप्ताह के अंतर्गत टेक क्वेस्ट (Technical Quiz Competition) का आयोजन किया गया। इस वर्ष के लिए आई ट्रिपल ई दिवस की थीम प्रौद्योगिकी की सहायता से बेहतर भविष्य की कल्पना (Imagining a Better Future with Technology) निर्धारित की गई है।

इसी थीम के तहत आयोजित टेक क्वेस्ट प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता, तकनीकी ज्ञान और समस्या समाधान क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में तकनीकी विषयों पर नए और चुनौतीपूर्ण प्रश्न पूछे गए, जिनके प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिए। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में तकनीकी नवाचार के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाना था।

आई ट्रिपल ई स्टूडेंट ब्रांच विश्वविद्यालय में संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल और कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। फैकल्टी को-ऑर्डिनेटर दिलीप यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र तकनीकी कौशल के माध्यम से मानव जीवन को सरल बनाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए नवाचार की दिशा में कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल में श्रीमती दीप्ति पांडे, कृष्ण कुमार यादव और प्रवीण पांडे उपस्थित रहे।

इस अवसर पर आई ट्रिपल ई स्टूडेंट ब्रांच के सदस्य अनुराग पाल, निहार, इप्सिता, आद्रीका, ऋचा, युगांश, सृजन, अमन, शिवांश, सागर, हिमानी, अदिति, पवन, आंचल, विवेक सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन टीम के सदस्यों ने संयोजित ढंग से किया और समापन पर विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूरे विश्वविद्यालय परिसर में तकनीकी नवाचार और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

कृष्ण के जन्म लेते ही खुल गई वसुदेव और देवकी की बेड़ियां

बरईपार,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय नेवढ़िया ग्राम सभा में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कथावाचक भोलानाथ पांडेय महाराज के द्वारा शनिवार को श्रीकृष्ण जन्म की कथा एवं नंदोत्सव का वर्णन किया गया। इस कार्यक्रम के यजमान सोबिता देवी हीरालाल तिवारी सपरिवार थे। श्रीकृष्ण जन्म की कथा का वर्णन करते हुए महाराज ने बताया कि कंस की कारागार में वासुदेव- देवकी के भादो मास की अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। उनका लालन-पालन नंदबाबा के घर में हुआ था। इसलिए नंदगांव में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। श्रीकृष्ण ने अत्याचारी कंस का वध करके पृथ्वी को अत्याचार से मुक्त किया और अपने माता-पिता को कारागार से छुड़वाया। कृष्ण जन्म की खुशी में शनिवार को कथा स्थल को विशेष रूप से सजाकर माखन मिश्री का प्रसाद वितरण किया गया तथा भक्तों ने नाच कूदकर नंदोत्सव मनाया। इस अवसर पर राजेश तिवारी बृजेश तिवारी नन्हे लाल तिवारी अखिलेश तिवारी अनेक भक्तगण उपस्थित रहे।

बोईसर में राष्ट्र हिंदू सेवा संघ द्वारा कवि सम्मेलन सम्पन्न

वसई रोड। राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ द्वारा आयोजित एक भव्य कवि सम्मेलन बोईसर में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि पालघर खासदर डॉक्टर हेमंत सांवरा उपस्थित थे और साहित्य, संस्कृति और समाज के संगम इस सम्मेलन में, प्रख्यात कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से राष्ट्रवाद, अध्यात्म और सामाजिक प्रेरणा का सुंदर चित्रण किया। संस्था की इस पहल ने समाज में संस्कृति और देशभक्ति की लौ को और प्रज्वलित करने का काम किया है।

भाजपा पूर्व सचिव शेमल अजगिया वसई स्काईवॉक मरम्मत की माँग

वसई। रेलवे स्टेशन के पास स्काईवॉक की हालत बेहद दयनीय हो गई है। फर्श टूटा हुआ है, लाइटें बंद हैं और इलाके में भारी गंदगी है हजारों यात्री, छात्र, महिलाएँ और वरिष्ठ नागरिक प्रतिदिन इस स्काईवॉक का उपयोग करते हैं। हालांकि, अंधेरे और गंदगी ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर समस्या पैदा कर दी है। इस पृष्ठभूमि में, भारतीय जनता पार्टी, वसई रोड, भाजपा पूर्व सचिव शेमल अजगिया ने वसई-विरार नगर निगम को एक लिखित बयान में निम्नलिखित माँगें की हैं । जिसमें स्काईवॉक की तत्काल मरम्मत, सफाई और रोशनी की व्यवस्था की जाए। इलाके में पुलिस टीम की नियमित गश्त जारी रखी जाए।, सीसीटीवी कैमरे चालू रखा जाएँ। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों को नियमित रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए जाएँ। नागरिकों की सुरक्षा और स्वच्छता के लिए स्काईवॉक की तत्काल मरम्मत आवश्यक है। प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

पवारा बाजार स्थित अद्धेश्वर महादेव मंदिर का दर्शन करने पहुंचे उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर पवारा बाजार स्थित अद्धेश्वर महादेव मंदिर का दर्शन करने पहुंचे दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा साथ में पंडित आचार्य अखिलेश पांडेय, चेतरिया बनकट निवासी भावी प्रधान रमाजीत तिवारी, पत्रकार विष्णु कांत मिश्रा सहित कई अन्य लोगों ने अष्ट धातु से बनी प्रतिमा का दर्शन कर पूजा-अर्चना की और महादेव से आशीर्वाद प्राप्त किया। अद्धेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी आचार्य ज्योतिषाचार्य पंडित सुशील मिश्रा ने बताया कि महादेव का दर्शन करने से मनोकामना पूर्ण होता है। यहां पर चारों धाम की मूर्ति अष्टधातु की है। हनुमान जी व मां विंध्यवासिनी तथा शितला माता की भव्य मूर्ति स्थापित किया गया है।

यातायात माह नवम्बर 2025 के तहत जौनपुर में जागरूकता रैली का भव्य आयोजन

अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में आज अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2025 के अंतर्गत जागरूकता रैली का शुभारंभ किया गया। रैली का शुभारंभ पुलिस लाइन मुख्य द्वार से हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी यातायात सुनील चन्द्र तिवारी प्रभारी यातायात सुशील कुमार मिश्र समस्त यातायात उप निरीक्षक, कर्मचारीगण, तथा शहर के प्रमुख विद्यालयों गुलाबी देवी इंटर कॉलेज, जनक कुमारी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं लगभग 200 छात्र-छात्राएँ, साथ ही ठउउ 98 बटालियन जौनपुर के 100 कैडेट और पुलिस बल शामिल रहे। रैली का मार्ग पुलिस लाइन मुख्य द्वार डाक बंगला चौराहा कचगांव तिराहा लाइनबाजार थाना गांधी तिराहा अम्बेडकर तिराहा सिविल लाइन कलेक्ट्रेट तक निर्धारित किया गया। रैली के दौरान आम जनता को यातायात नियमों की जानकारी, पंपलेट और हैंडबिल वितरण, वाहनों पर जागरूकता स्टिकर, और बैनर-पोस्टर के माध्यम से संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा ही जीवन सुरक्षा है। इस दौरान सड़क पर गलत ढंग से खड़े वाहनों को हटवाया गया और वाहन चालकों को चेतावनी देते हुए यातायात नियमों के पालन की अपील की गई। रैली के उपरांत पुलिस अधिकारियों ने स्कूल के बच्चों को संबोधित करते हुए यातायात के मूल नियमों की जानकारी दी और उन्हें हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग तीन सवारी से परहेज तथा अत्यधिक गति से वाहन न चलाने की शपथ दिलाई साथ ही बच्चों से अपील की गई कि वे अपने परिवार और समाज के कम से कम 10 लोगों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करें। इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य जनता में सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना, दुर्घटनाओं में कमी लाना और सुरक्षित यातायात की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

किसान खुश नई किस्मों से खेती में आया नया उत्साह

छपरा(उत्तरशक्ति)। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित 'श्रीराम सुपर 5-एसआर-05' और 'श्रीराम सुपर 303' बीज किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो गए हैं। इन उन्नत किस्मों ने उच्च उपज, मजबूत तना और रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण किसानों का भरोसा जीता है। अनुभवी किसानों का कहना है कि श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 की बुवाई से फसल का तना मजबूत और कल्ले अधिक होने के कारण गिरने की संभावना कम हो गई है। वहीं, श्रीराम सुपर 303 से उन्हें प्रति एकड़ 20से22 क्विंटल तक उपज और अतिरिक्त मुनाफा मिला। इन बीजों की उच्च गुणवत्ता और बेहतर उत्पादन ने किसानों की उम्मीदों से बढ़कर परिणाम दिए हैं। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स, 135 साल पुरानी डीसीएम श्रीराम लिमिटेड का हिस्सा, भारतीय किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को मजबूत बनाने में निरंतर योगदान दे रहा है। कंपनी गेहूं के साथ-साथ अन्य फसलों के लिए भी उन्नत बीज और कृषि समाधान उपलब्ध कराती है, जिससे किसान स्थिर और लाभकारी खेती कर सकें।

नवादा के खेतों में हरी लहर

नवादा(उत्तरशक्ति)। किसानों ने पिछले साल श्रीराम सुपर 5-एसआर-05 और 303 की बुवाई की और उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए। मजबूत तना और रोग प्रतिरोधकता की वजह से फसल सुरक्षित रही और उत्पादन बढ़ा। सुपर 303 की बालियों में 70-75 दाने निकलते हैं। हमने प्रति एकड़ 20-22 क्विंटल उपज प्राप्त की और अतिरिक्त 5000–6000 रुपये लाभ हुआ। उच्च उत्पादन और बाजार में अच्छा मूल्य, लंबी बालियों और अधिक कल्लों वाली फसल, वैज्ञानिकों द्वारा विकसित, बिहार में पहली पसंद।

स्नेहा दुबे पंडित ने वसई क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सुधार को लेकर अधिकारियों के बैठक

वसई रोड। वसई विधानसभा की संघर्षशील वसई विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित की पहल पर वसई क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सुधार एवं विकास कार्यों के संबंध में महावितरण विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (MSEDCL) के अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक आयोजित की गई। वसई विधानसभा क्षेत्र के लोगों की बिजली आपूर्ति संबंधी शिकायतों, अपर्याप्त क्षमता के कारण उत्पन्न बाधाओं और औद्योगिक एवं आवासीय क्षेत्रों में बिजली की समस्याओं के समाधान हेतु, महावितरण विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (MSEDCL) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार, 30 अक्टूबर, 2025 को विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित के जनसंपर्क कार्यालय, वसई पश्चिम में आयोजित की गई।बैठक में कल्याण क्षेत्र के मुख्य अभियंता चंद्रमणि मिश्रा, वसई मंडल के अधीक्षण अभियंता संजय खंडारे, वसई संभाग के कार्यपालक अभियंता प्रवीण सुते, विरार संभाग के कार्यपालक अभियंता उमेश लेले, साथ ही वसई पश्चिम, वसई पूर्व, नालासोपारा पश्चिम के अतिरिक्त कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे। इस बैठक में लंबित विभिन्न विकास कार्यों, मरम्मत कार्यों और निरंतर बिजली आपूर्ति में आने वाली तकनीकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस चर्चा के दौरान, वसई विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित द्वारा पिछली बैठक में सुझाए गए उपायों और महावितरण द्वारा दिए गए सुझावों पर की गई कार्रवाई पर विस्तार से चर्चा की गई। इस चर्चा के दौरान, कल्याण क्षेत्र के मुख्य अभियंता चंद्रमणि मिश्रा और वसई क्षेत्र के अधीक्षण अभियंता संजय खंडारे ने इस संबंध में की गई कार्रवाई के बारे में विधायक को निम्नलिखित जानकारी प्रदान की: (1) विरार औद्योगिक क्षेत्र में बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होना: एमआईडीसी परियोजना के तहत 135.12 करोड़ की डीपीआर तैयार करके कॉर्पोरेट कार्यालय को प्रस्तुत की गई है, और यह कार्य आवश्यक प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त होने के बाद अगले 3-4 महीनों में शुरू हो जाएगा। 222/22 केवी नरिंगी स्विचिंग स्टेशन और आगाशी सप्लाई की स्थिति: 7.20 करोड़ की डीपीआर तैयार करके कॉर्पोरेट कार्यालय को प्रस्तुत की गई है। इस परियोजना की मंजूरी के बाद, आगाशी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति काफी हद तक स्थिर हो जाएगी। अनार्ला फोर्ट और अनार्ला गाँव में टावर लाइनों की मरम्मत: 1.82 करोड़ रुपये की डीपीआर तैयार कर कॉर्पोरेट कार्यालय को भेज दी गई है। इस कार्य से बिजली आपूर्ति अधिक कुशल और स्थिर होगी। आगाशी (पुरापाड़ा) क्षेत्र में बिजली आपूर्ति में सुधार: आरडीएसएस योजना के तहत पुराने कंडक्टरों को बदलने और नए 0.2 एसीएसआर कंडक्टर लगाने का काम प्रगति पर है। 6 किलोमीटर कंडक्टर बदलने के बाद शेष कार्य जल्द ही पूरा हो जाएगा। कामण औद्योगिक क्षेत्र में बिजली आपूर्ति: औद्योगिक और अन्य उपभोक्ताओं के लिए स्थिर और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 22 केवी पोमन फीडर का विभाजन किया जाएगा। बैठक के अंत में, विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित ने कहा, ₹वसई-विरार क्षेत्र के नागरिकों और उद्योगों को निर्बाध, विश्वसनीय और कुशल बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना मेरी प्राथमिकता है। महावितरण के अधिकारी इस पर गंभीरता से ध्यान दें और सभी परियोजनाओं को समय पर पूरा करें।₹

महावितरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने विधायक के सुझावों का स्वागत किया और सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया। बैठक अत्यंत सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई और अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

गोरखपुर पुस्तक महोत्सव के उद्घाटन में शामिल हुए आचार्य पवन त्रिपाठी

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बच्चों से कहा कि स्मार्टफोन की जगह अच्छी पुस्तकों में अपना समय निवेश करें। यह बात उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 के उद्घाटन के मौके पर कही। यह पुस्तक मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा। इसका आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। सीएम योगी ने इस अवसर पर बच्चों को पुस्तकें वितरित कीं और विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि व्यक्ति की सबसे सही मार्गदर्शक और सच्ची साथी अच्छी पुस्तकें होती हैं। उन्होंने भारत की श्रवण परंपरा और गुरु-शिष्य परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे ऋषियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की अद्भुत परंपरा विकसित की। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार राज्यभर में पुस्तकालयों का जाल बिछा रही है। प्रदेश की 57,600 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं। 1.56 लाख से अधिक प्राथमिक विद्यालयों में से 1.36 लाख विद्यालयों का कायाकल्प किया गया है, जिनमें पुस्तकालय और डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो सके। इस आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट, मुंबई के कोषाध्यक्ष व एनबीटी एडवाइजरी कमेटी के सदस्य आचार्य पवन त्रिपाठी ने मीडिया से बातचीत में विचार व्यक्त किया कि गुरु गोरक्षनाथ की तपोभूमि में ज्ञान का यह महोत्सव महज कोई संयोग नहीं है। यह विधि का विधान है कि जिस कर्मभूमि से एक ऐसे चिंतक और तपस्वी ने दुनिया को मौलिकता और भारतीय ज्ञान परंपरा का संदेश दिया, आज उसी महान परंपरा के एक योगी ने कर्मयोगी बनकर प्रदेश को नई दिशा और ऊंचाइयों देने का काम कर रहे है। यह पुस्तक महोत्सव पुरे पूर्वांचल क्षेत्र के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में शिक्षा का संचार करेगा। पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देगा और ऐसे नागरिक तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगा, जो क्षेत्र का भी नाम रोशन करेंगे और राष्ट्र निर्माण में भी बड़ी भूमिका निभाएंगे।यह महोत्सव केवल पुस्तकों का महोत्सव नहीं बल्कि ज्ञान, संस्कृति और विचारधारा का महासंगम है। इस मौके पर सांसद रविकिशन शुक्ला, विधायकगण विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ला, श्रीराम चौहान, श्रवण निषाद, विमलेश पासवान, महिला आयोग उपाध्यक्ष चारू चौधरी, डीडीयू की कुलपति प्रो पूनम टंडन, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, एनबीटी के अध्यक्ष मिलिंद मराठे, निदेशक युवराज मलिक सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

स्नेहा दुबे पंडित द्वारा वसई विरार निगम मुख्यालय में बैठक सम्पन्न

वसई रोड। वसई विरार नगर निगम मुख्यालय, विरार पश्चिम शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025 को वसई-विरार नगर निगम मुख्यालय में यातायात पुलिस, वसई पुलिस थानों के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षकों और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों (आरटीओ) सहित नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक स्नेहा दुबे पंडित की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

वसई में यातायात की अत्यधिक जटिल और लंबित समस्या के स्थायी समाधान के लिए सरकार के साथ निरंतर संपर्क किया जा रहा है, और नगर निगम क्षेत्र में एस.टी. डिपो के स्थान को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) के आधार पर विकसित किया जायेगा । वहाँ पर एंड पार्क प्रणाली लागू की जाएगी। इस प्रकार, इस ज्वलंत समस्या का समाधान हो जाएगा। इस बीच, अपर्याप्त और पुरानी सिग्नल प्रणाली, पर्याप्त स्पीड ब्रेकर की कमी, जेबरा क्रॉसिंग की कमी के कारण नागरिकों, विशेषकर बुजुर्गों, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और छात्रों को अपनी दैनिक यात्रा के दौरान होने वाली समस्याओं को तत्काल दूर करने के लिए आज सभी संबंधित अधिकारियों के सामने मुद्दे रखा गया।

इस बैठक में महानगर पालिका क्षेत्र के अधिकांश मुख्य मार्गों पर पर्याप्त स्पीड ब्रेकर न होने, मौजूदा स्पीड ब्रेकरों पर सफेद पट्टियाँ न होने, जिससे वाहन उनसे टकरा रहे हैं, तथा मुख्य चौक पर जेबरा क्रॉसिंग पट्टियाँ न होने के बारे में संबंधित अधिकारियों को विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि शीघ्र निरीक्षण के बाद इन मुद्दों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। इस चर्चा में, सड़कों के किनारे बंद स्थानों पर खड़े वाहनों, कुछ दुकानों के सामने अवैध और अव्यवस्थित ढंग से खड़े वाहनों और नागरिकों को यातायात में होने वाली समस्याओं से भी अधिकारियों को अवगत कराया गया। इस संबंध में, सड़क के किनारे खड़े वाहनों को तुरंत हटाया जाएगा और दिन के विशिष्ट समय पर सड़क के किनारे पार्किंग की योजना बनाई जाएगी और जल्द ही ऐसे बोर्ड लगाए जाएँगे, ऐसा संबंधित अधिकारियों ने बताया। चूँकि रेलवे स्टेशन क्षेत्र में अनाधिकृत फेरीवाले - ठेलेवाले भी यातायात की भीड़ का कारण बन रहे हैं, इसलिए अधिकारियों ने बताया कि जल्द से जल्द फेरीवालों के लिए नीति तय की जाएगी और तब तक अवैध फेरीवालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मेरे साथ वसई विरार शहर महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त दीपक सावंत, मीरा भयंदर वसई विरार के सहायक पुलिस आयुक्त यातायात शंकर इंदलकर, विरार यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महेश शेट्ये, वसई यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रशांत लांगी, नायगांव पुलिस स्टेशन छह के पुलिस निरीक्षक यशपाल सूर्यवंशी, मानिकपुर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हरिलाल जाधव, वसई पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बालकृष्ण घाडीगांवकर, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी वसई अतुल आडे, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी वसई दीपक उगले, वसई विरार शहर महानगरपालिका के नगर अभियंता प्रदीप पाचंगे, विद्युत कार्यकारी अभियंता अमोल जाधव, भाजपा वसई विरार शहर जिला महामंत्री बिजेंद्र कुमार और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में कॉलेज के प्रबंधक के पुत्र की मौत

जहानागंज। स्थानीय थाना क्षेत्र के सलेमपुर खुदासपुर गांव निवासी शिक्षाविद् एवं माताधिराजी ग्रुप ऑफ कॉलेज के प्रबंधक कैलाश यादव के इकलौते पुत्र शुभम यादव (26) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी मुताबिक बृहस्पतिवार की शाम शुभम यादव अपनी माता गीतादेवी, दो बहनों, एक भांजी, मित्र विशाल और ड्राइवर गोलू के साथ फॉर्च्यूनर गाड़ी से लखनऊ जा रहे थे। कैलाश यादव ने बताया कि रात लगभग 10 बजे सुल्तानपुर जिले के पास गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

150वीं जयंती पर याद किये गये लौह पुरुष सरदार पटेल

मुंबई। युवा ब्रिगेड असोसिएशन द्वारा लौह पुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी की 41वीं पुण्यतिथि पर समारोह का आयोजन जी एस शेट्टी हॉल, मुलुंड प. पर डॉ. सचिन सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि डॉ. विवेक कोरडे राष्ट्रीय प्रवक्ता अ.भा.कांग्रेस कमिटी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बी.के. तिवारी, गोविन्द सिंह, केतन शाह अध्यक्ष ई. मु. जिला कांग्रेस, डॉ.आर.आर. सिंह महासचिव मुंबई कांग्रेस, वरिष्ठ समाजसेवी नानजी भाई ठक्कर ठाणावाला, किलाचंद यादव, डॉ.बाबूलाल सिंह, के एन सिंह, रमाशंकर तिवारी, बीरेंद्र पाठक द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। सम्मानित अतिथि के रूप में आर पी वर्मा उपाध्यक्ष प्रतापगढ़ जिला कांग्रेस। शिवेंद्र पटेल फिल्म अभिनेता, भरत सोनी, डॉ. राम मूर्ति वर्मा, दयाशंकर सिंह, सुखराम शुक्ला, लक्ष्मी मुदवड़कर, साहब दयाल सिंह, मधुकर म्हात्रे, कैलाश पाटील,

विनायक घाणेकार, रमेश कांबले, डॉ.आर.एम. पाल, नीता जोशी, राजेंद्र उठवाल, श्रीकृष्णा कानेकर, अरविन्द यादव, अजय पटेल, आदित्य गीते, संतोष सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर बोलते हुए प्रमुख वक्ता डॉ विवेक कोरडे ने कहा कि आजादी मिलने के पश्चात देश के 562 रियासतों को देश में मिलाने की एक बहुत बड़ी चुनौती सामने खड़ी थी। परन्तु उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री की जवाबदारी संभाल रहे सरदार वल्लभ भाई पटेल ने साम, दाम, दंड, भेद की नीति से सभी रियासतों को देश में मिला कर अखंड भारत का निर्माण किया। इसलिए सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता अखंडता दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कोरडे ने श्रीमती इंदिरा गाँधी को आयरन लेडी निरुपित करते हुए कहा कि अमेरिका की धमकी के बावजूद वह झुकी नहीं और पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बंगला देश का निर्माण किया। देश की अखंडता की रक्षा हेतु उन्होंने अपना बलिदान दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एड. शरीफ खान, योगेंद्र श्रीवास्तव, मैथ्यू चेरियन, प्रेम कुमार, रइसखान, भगवान किशोर तिवारी, धर्मेश सोनी, रीना मोजेस, निक्सन, अनिल पाण्डेय, अब्दुल जब्बार, भरत चौबे, अनिरुद्ध दूबे, बृजेश सिंह, चन्द्रवीर यादव, राजकुमार यादव, विनोद कजानिया, तुलसीराम शिंदे, सुनील पाटील,अविनाश पाठक, राजकुमार सिंह, मनोज सिंह, रवि बरनवाल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

श्रीमती इंदिरा गाँधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

कूर्मि महासभा का पुरोहित प्रशिक्षण शिविर संपन्न

वाडा/पालघर। आज का विश्व हर दृष्टि से उन्नत है, फिर भी हमारे समाज में कुछ गलत प्रथाएँ और अंधविश्वास अभी भी मौजूद हैं। कुर्मी महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक एल.पी. पटेल ने विश्वास व्यक्त किया है कि कुर्मी महासभा द्वारा प्रशिक्षित पुरोहित समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वासों को दूर करने और समाज को सही दिशा देने का काम करेंगे। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा, महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा वाडा तालुका के मेट में पुरोहितों के लिए सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षित महिला पुरोहित अपने परिवार और समाज के लिए एक आदर्श मार्गदर्शक होंगी, इसलिए समाज की अधिक से अधिक महिलाओं को पुरोहिती कार्य के लिए आगे आना चाहिए, कुर्मी महासभा की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष लता ऋषि चंद्राकर ने अपील की है। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी डॉ. बाबूलाल सिंह पटेल, ओएनजीसी के महाप्रबंधक जनार्दन पटेल, कुर्मी महासभा सांस्कृतिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष शाहिर गायकर, प्रदेश अध्यक्ष संजय पाटिल, प्रदेश महासचिव जयेश शेलार, पुजारी प्रशिक्षक डॉ. रज्जन प्रसाद पटेल, एड.गोपाल शेलके, किसन बोंद्रे, अजीत राऊत, नरेश अकारे, डॉ. राममूर्ति वर्मा, वी.के. वर्मा, वरिष्ठ सामाजिक नेता अप्पा घुडे, महासभा के कोंकण अध्यक्ष तुकाराम पश्ते, उद्योग महासभा के प्रदेश अध्यक्ष समीर पाटिल, सूर्यवंशी क्षत्रिय ज्ञानी मंडल के अध्यक्ष यदुनाथ पाटिल, नासिक जिला अध्यक्ष निवृत्ति न्याहारकर, रायगढ़ जिला अध्यक्ष प्रकाश चंडीवाडे, ठाणे शहर कुनबी मंडल अध्यक्ष पी.एन.पाटिल, पुरोहित प्रशिक्षक विजय दलवी, जिला उपाध्यक्ष विजय राव, उद्यमी काशीनाथ पाटिल, सचिव सीताराम पाटिल, मोहन पाटिल, सुभाष पाटिल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस समापन कार्यक्रम में शिविर में प्रशिक्षण पूरा करने वाले 55 प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र एवं टोपी प्रदान किए गए। इस अवसर पर, विजय दलवी को कुर्मी पुरोहित महासभा का कोंकण विभाग अध्यक्ष, यदुनाथ पाटिल को पालघर जिलाअध्यक्ष, जयंत पाटिल को महासचिव और किशोर चौधरी को तालुका महासचिव नियुक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव जयेश शेलार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कोंकण अध्यक्ष तुकाराम पश्ते ने किया।

यूपी में इन लोगों के घर की किसी भी वक्त कट सकती है बिजली, कनेक्शन काटने के मिल गए निर्देश

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अंतर्गत आने वाले 19 जिलों में राजस्व को लेकर सख्ती होनी शुरू हो गई है। त्योहारों के बाद उन बकाएदारों पर नकेल कसी जाएगी जो महीनों से मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। स्मार्ट प्री पेड मीटर माइनस में चले गए लेकिन बिल जमा नहीं कर रहे हैं। ऐसे उपभोक्ताओं के घरों व प्रतिष्ठानों की बिजली किसी भी समय जा सकती है। गोमती नगर जोन के मुख्य अभियंता सुशील गर्ग ने अपने जोन के अभियंताओं के साथ बैठक की। बैठक में शनिवार को निर्देश दिए कि ऐसे बकाएदारों को चेताते हुए बिल जमा करवाएं। अगर नहीं जमा करते हैं तो कनेक्शन काट दिए जाए। वहीं अभियंताओं ने बताया कि त्योहारी माह होने के कारण बिजली बिल जमा करने वालों की संख्या काफी कम रही।

मुख्य अभियंता सुशील ने गोमती नगर, चिनहट खंड, इंदिरा नगर, मुंशी पुलिया खंडों में बकाएदारों की सूची बनाकर कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने बताया कि राजस्व वसूली में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए।इसके अलावा चोरों जोन के मुख्य अभियंताओं ने नई बिजली व्यवस्था वर्टिकल को लेकर भी समीक्षा बैठक की।

बैठक में गोमती नगर जोन के मुख्य अभियंता सुशील गर्ग, जानकीपुरम जोन के मुख्य अभियंता वीपी सिंह, लखनऊ मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल, अमौसी जोन के मुख्य अभियंता महफूज आलम ने अपने अपने कार्यालयों में राजस्व वसूली एवं वर्टिकल सिस्टम की समीक्षा की। चारों जोन की समीक्षा में अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी, अवर अभियंता व तकनीकी कर्मी भी मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक के दौरान अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी, अवर अभियंता व अन्य कर्मियों को स्मार्ट मीटर का प्रार्थना पत्र डाउनलोड करने एवं एप पर काम करने का तरीका सिखाया गया। यह ट्रेनिंग स्मार्ट मीटर कंपनी से जुड़े विशेषज्ञों ने दी। बता दें कि विभागीय अभियंताओं व कर्मियों को अभी तक यह काम करने न हीं आते थे। कइयों ने इसे सीख लिया है और कुछ को फिर से प्रशिक्षण देने की जरूरत है।

कैंची से गोदकर युवक की निर्मम हत्या, शराब पार्टी बनी मौत का कारण

गाजियाबाद । उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के विजय नगर इलाके में शराब की दुकान पर हुए झगड़े में एक व्यक्ति की कैंची से प्रहार करके हत्या कर दी गई। घटना में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि विजय नगर क्षेत्र में एक शराब की दुकान पर पवन सिंह ठाकुर नामक व्यक्ति ने रवींद्र सिंह वाल्मीकि (36) को कथित तौर पर जातिसूचक अपशब्द कहे। विरोध करने पर दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। सूत्रों ने बताया कि इसी दौरान ठाकुर ने वाल्मीकि पर कैंची से प्रहार कर उसे घायल कर दिया। मौके पर मौजूद सनी रॉबिन नामक व्यक्ति ने बीच-बचाव की कोशिश की तो ठाकुर ने उस पर भी प्रहार करके घायल कर दिया। पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने बताया कि दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान वाल्मीकि की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हत्यारोपी ठाकुर को क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना इलाके के कृष्णा बाग कॉलोनी के पास एक फ्लाईओवर से गिरफ्तार कर लिया गया है। जायसवाल ने बताया कि ठाकुर ने पूछताछ में कुबूल किया है कि वह शिवपुरी में शराब पी रहा था और इसी दौरान उसका वाल्मीकि और रॉबिन से झगड़ा हो गया, जिसके बाद गुस्से में आकर उसने वारदात को अंजाम दिया।

त्रिपुष्कर योग में तुलसी-विष्णु का विवाह, आज घर-आंगन में गूंजेगा मंगलगीत

-सुरेश गांधी

वाराणसी. कार्तिक मास का पावन महीना भक्ति, साधना और शुभ कार्यों का द्योतक माना गया है। इसी मास की शुक्ल पक्ष द्वादशी को तुलसी विवाह का पावन पर्व मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व त्रिपुष्कर योग और सर्वार्थसिद्धि योग जैसे दुर्लभ संयोग में मनाया जा रहा है। शास्त्रों के अनुसार, ऐसा संयोग तब बनता है जब प्रत्येक कर्म तीन गुना फल देता है। इसलिए इस बार तुलसी विवाह का यह अवसर भक्ति, सौभाग्य और समृद्धि का त्रिगुण संगम लेकर आया है। इस वर्ष के शुभ योग में जब तुलसी-विष्णु विवाह होगा, तब हर घर में दीपों की श्रृंखला जगमगाएगी। कन्याओं को सौभाग्य, विवाहित महिलाओं को अखंड सुहाग और भक्तों को विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होगा। कहा भी गया है, ह्लजहां तुलसी विराजे, वहां लक्ष्मी स्वयं निवास करती हैं ह्व तुलसी विवाह का यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि आस्था केवल पूजा नहीं, जीवन का संस्कार है। जब भक्त तुलसी मंडप में दीप जलाता है, तो वह केवल देवता को नहीं, अपने भीतर के प्रकाश को भी प्रज्ज्वलित करता है। इस बार त्रिपुष्कर योग में तुलसी विवाह का आयोजन केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि दिव्यता के पुनर्जन्म का उत्सव होगा जहां हर दीपक कहेगा, ह्लमंगल हो सबके जीवन में ह्व देवउठनी एकादशी के बाद जब देवशक्ति पुनः जाग्रत होती है, तब कार्तिक शुक्ल द्वादशी का दिन तुलसी विवाह के रूप में भक्ति और सौभाग्य का उत्सव लेकर आता है। इस दिन भगवान विष्णु शालिग्राम स्वरूप में और देवी तुलसी (वृंदा) वधू के रूप में विवाह सूत्र में बंधते हैं। यह विवाह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि धरती और आकाश के प्रेम, समर्पण और धर्म का अद्भुत संगम है। तुलसी विवाह कोई साधारण अनुष्ठान नहीं, बल्कि सृष्टि की दिव्यता का उत्सव है। यह वह क्षण है जब देवी तुलसी, जो भगवान विष्णु की परम भक्त वृंदा का अवतार मानी गईं, अपने आराध्य शालिग्राम (भगवान विष्णु के स्वरूप) से वैवाहिक बंधन में बंधती हैं। हर आंगन में तुलसी का मंडप सजता है, दीप जलते हैं, और महिलाएं मंगलगीत गाती हैं यह विवाह केवल भक्त और देवी-देवताओं का नहीं, बल्कि भक्त और भगवान के अटूट संबंध का प्रतीक बन जाता है। इस दिन हर घर में तुलसी के पौधे को दुल्हन की तरह सजाया जाता है, चूड़ा, चुनरी, सिंदूर और श्रृंगार से सजी तुलसी माता का रूप अत्यंत मनमोहक होता है।

यातायात माह नवम्बर 2025 के तहत जौनपुर में जागरूकता रैली का भव्य आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में आज अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2025 के अंतर्गत जागरूकता रैली का शुभारंभ किया गया। रैली का शुभारंभ पुलिस लाइन मुख्य द्वार से हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी यातायात सुनील चन्द्र तिवारी प्रभारी यातायात सुशील कुमार मिश्र समस्त यातायात उप निरीक्षक, कर्मचारीगण, तथा शहर के प्रमुख विद्यालयों गुलाबी देवी इंटर कॉलेज, जनक कुमारी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं लगभग 200 छात्र-छात्राएँ, साथ ही NCC 98 बटालियन जौनपुर के 100 कैडेट और पुलिस बल शामिल रहे। रैली का मार्ग पुलिस लाइन मुख्य द्वार डाक बंगला चौराहा कचहरी तिराहा लाइनबाजार थाना गांधी तिराहा अम्बेडकर तिराहा सिविल लाइन कलेक्ट्रेट तक निर्धारित किया गया। रैली के दौरान आम जनता को यातायात नियमों की जानकारी, पंपलेट और हैंडबिल वितरण, वाहनों पर जागरूकता स्टिकर, और बैनर-पोस्टर के माध्यम से संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा जीवन सुरक्षा है। इस दौरान सड़क पर गलत ढंग से खड़े वाहनों को हटवाया गया और वाहन चालकों को चेतावनी देते हुए यातायात नियमों के पालन की अपील की गई। रैली के उपरांत पुलिस अधिकारियों ने स्कूल के बच्चों को संबोधित करते हुए यातायात के मूल नियमों की जानकारी दी और उन्हें हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग तीन सवारी से परहेज तथा अत्यधिक गति से वाहन न चलाने की शपथ दिलाई साथ ही बच्चों से अपील की गई कि वे अपने परिवार और समाज के कम से कम 10 लोगों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम का उद्देश्य है कि इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य जनता में सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना, दुर्घटनाओं में कमी लाना और सुरक्षित यातायात की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

बांगरखुर्द में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन

सुलतानपुर। जनपद सुलतानपुर स्थित करौदी कला क्षेत्र के ग्राम बांगरखुर्द में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के वातावरण में चल रहा है। कथा का वाचन मुंबई से पधारे प्रसिद्ध कथा वाचक श्री कृष्ण मोहन दास जी महाराज के मुखारविंद से हो रहा है, जिनके द्वारा प्रस्तुत दिव्य कथा के अमृतमय शब्दों का श्रवण कर श्रद्धालु भक्त भाव-विभोर हो रहे हैं। कथा के मुख्य यजमान बखरधारी विश्वकर्मा हैं। इस पावन आयोजन का संयोजन ग्राम प्रधान प्र.योगेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा ह्लराजेशह्व के द्वारा किया जा रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र होकर भक्ति रस में डूब रहे हैं और दिव्य कथा का आनंद ले रहे हैं। इसी कड़ी में लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्र.प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया ने कथा में शामिल होकर व्यासपीठ पर विराजमान महाराज जी का माल्यार्पण कर संकल्प पत्रिका भेंटकर आशीर्वाद लिए।साथ में पत्रकार आदेश मिश्र, आचार्य नीरज मिश्रा, महेश तिवारी, गुड्डू शुक्ला, आकाश दुबे, अमित शुक्ला, दीपक शुक्ल, अभिषेक पांडेय सहित अन्य गणमान्य एवं ग्रामवासी श्रद्धालु श्रोतागण उपस्थित रहे।

लेखपालों ने भत्तों में बढ़ोतरी व पदोन्नति की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

मुख्यमंत्री से वेतनमान सुधार, भत्तों में वृद्धि और स्थानांतरण सूची जारी करने की अपील

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले शनिवार को स्थानीय तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान लेखपालों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव को सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया कि पिछले नौ वर्षों से लेखपाल पद की शैक्षणिक योग्यता, पदनाम परिवर्तन, प्रारम्भिक वेतनमान उच्चीकरण, एसीपी विसंगति, मृतक आश्रितों की पेंशन समस्या, राजस्व निरीक्षक एवं नायब तहसीलदार के अतिरिक्त पद सृजन जैसी मांगें लम्बित हैं। इसके अलावा स्टेशनरी भत्ता 100 से बढ़ाकर 1000 रुपये करने, नियत यात्रा भत्ता के स्थान पर मोटरसाइकिल/वाहन भत्ता देने तथा विशेष वेतन भत्ता 100 से बढ़ाकर 2500 रुपये प्रतिमाह करने की भी मांग की गई है।

संघ ने कहा कि करीब 3000 लेखपाल परिवार से दूर, भय और तनाव के माहौल में 500 से 1000 किमी दूर नौकरी कर रहे हैं। 23 अगस्त 2018 को निर्गत शासनादेश के तहत अन्तर्मण्डलीय स्थानांतरण हेतु आवेदन तो ले लिए गए, परंतु सूची अब तक जारी नहीं की गई। वहीं, राजस्व निरीक्षक पद पर पदोन्नति हेतु चयन वर्ष 2025-26 की डीपीसी भी अब तक नहीं हो सकी है, जबकि अन्य विभागों में स्थानांतरण और पदोन्नतियां हो चुकी हैं। संघ ने मुख्यमंत्री से इन सभी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। इस दौरान संगठन के अध्यक्ष इंजीनियर विकास सिंह, महामंत्री विवेक सिंह, उपाध्यक्ष अमरजीत बिंद, मंत्री ऋतुराज चौधरी, सतेंद्र यादव, ज्योति सिंह, रविकांत आर्य सहित अनेक लेखपाल मौजूद रहे।

चौक के राजा बाबा श्री आस भैरव का वार्षिक अष्टमी श्रृंगार 12 नवंबर को

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के विश्वनाथ की नगरी के प्राचीन एवं श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र चौक स्थित श्रीश्री 1008 बाबा श्री आस भैरव के वार्षिक अष्टमी श्रृंगार की तैयारियां जोरों पर हैं। आगामी 12 नवंबर 2025, दिन बुधवार को यहां दिव्य आयोजन भव्य रूप से संपन्न होगा।

कार्यक्रम की शुरूआत 9 नवंबर 2025 की सायं से भैरव अष्टमी पाठ के साथ होगी, जो निरंतर तीन दिनों तक चलेगा। पाठ का समापन 12 नवंबर की सायं में किया जाएगा। इसी दिन दोपहर 2 बजे से बाबा का अलौकिक श्रृंगार प्रारंभ होगा, जिसमें भक्तजन और स्थानीय व्यापारी मिलकर का विशेष श्रृंगार करेंगे। रात्रि 12 बजे बाबा श्री आस भैरव का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके पश्चात 12:15 बजे बाबा की महाआरती संपन्न होगी, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। महाआरती के दौरान चौक का वातावरण जय भैरव बाबा की जयघोष से गूंज उठेगा। इस अवसर पर पूर्वांचल के चर्चित शनि महाराज द्वारा एक भव्य झांकी दर्शन का आयोजन भी किया जाएगा, जो भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। पूरे आयोजन की व्यवस्था रेशम कटरा, सुड़िया, चौक व्यापार मंडल एवं समस्त भक्तजनों द्वारा की जा रही है। आयोजकों ने बताया कि बाबा का यह वार्षिक श्रृंगार न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि वाराणसी की समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत करता है। बाबा श्री आस भैरव के भक्तों ने शहरवासियों से आग्रह किया है कि वे परिवार सहित इस शुभ अवसर पर उपस्थित होकर बाबा के दर्शन करें और आशीर्वाद प्राप्त करें।

हनुमान मन्दिर से छतरी चोरी का पदार्फाश, छतरी चोरी की बिक्री के 1600 रुपये बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय पुलिस ने शनिवार को कस्बा के हनुमान मन्दिर में हुई चोरी का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किए गए सामान की बिक्री से प्राप्त 1600 नकद बरामद करने का दावा किया है। थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवशंकर पुत्र भरत लाल निवासी पिलकिछा, थाना खुटहन के रूप में हुई जो शातिर किस्म का चोर है। इसके पूर्व में जीआरपी कैंट वाराणसी से कुल 6 बार तथा कमिश्नरेट वाराणसी के अन्य थानों से भी कई बार चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। थाना खेतासराय पर दर्ज धारा 305/317(2) बीएनएस के अंतर्गत यह खुलासा किया गया। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने अक्टूबर 2025 में कुल 61,295 वाहनों की बिक्री दर्ज की

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि अक्टूबर 2025 में कंपनी की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कुल बिक्री 61,295 यूनिट रही, जो अक्टूबर 2024 में दर्ज 48,423 यूनिट की तुलना में 26.6% की उल्लेखनीय वृद्धि दशार्ती है। अक्टूबर 2025 टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के लिए एक रिकॉर्ड-तोड़ त्योहारी महीना साबित हुआ। इस दौरान कंपनी ने लगातार दूसरे महीने सर्वाधिक मासिक थोक बिक्री दर्ज की, जो 61,295 यूनिट रही – यह पिछले वर्ष की तुलना में प्रभावशाली 27% वार्षिक वृद्धि दशार्ती है। एसयूवी सेगमेंट ने बिक्री में बढ़त बनाए रखी, जिसमें 47,000 से अधिक यूनिट बिकीं और मासिक बिक्री में अब तक की सर्वाधिक 77% हिस्सेदारी दर्ज की। कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में भी नया कीर्तिमान स्थापित किया, जहाँ 9,286 यूनिट की रिकॉर्ड बिक्री के साथ 73% वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। यह सफलता ग्राहकों की बढ़ती रुचि और टाटा मोटर्स के विस्तृत हो रहे ईवी पोर्टफोलियो का परिणाम रही। मजबूत खुदरा मांग ने त्योहारी सीजन में अभूतपूर्व गति बनाए रखी, जिससे मासिक रजिस्ट्रेशन का भी नया रिकॉर्ड बना।

हर हर गंगे के उद्घोष के साथ काशी में गूंजा भारतीय संस्कृति का संदेश

-सुरेश गांधी

वाराणसी. राजघाट की पवित्र धरती पर शनिवार की संध्या भक्ति, संगीत और संस्कृति के संगम में बदल गई। कण-कण में काशी, रस-रस में बनारसह्व की थीम पर आधारित चार दिवसीय काशी गंगा महोत्सव का भव्य शुभारंभ राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। मंत्रोच्चार और गंगाजल की सुवास के बीच आरती की लौ जब आसमान में झिलमिलाई, तो पूरा वातावरण हर हर गंगे के उद्घोष से गूंज उठा। इस अवसर पर जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, संयुक्त निदेशक पर्यटन दिनेश सिंह समेत अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह की शुरूआत पं. माता प्रसाद मिश्र एवं पं. रविशंकर मिश्र के मनमोहक युगल कथक नृत्य से हुई, जिसने दर्शकों को मुग्ध कर दिया। इस बार के गंगा महोत्सव में कुल 43 नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। पद्मश्री मालिनी अवस्थी की सुरीली आवाज और भक्ति-भाव से ओतप्रोत हंसराज रघुवंशी के गीत इस उत्सव की शोभा बढ़ाएंगे। इनके साथ देश के विभिन्न हिस्सों से आए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कलाकार संगीत, नृत्य, नाट्य और लोकसंस्कृति की विविध विधाओं की प्रस्तुति देंगे। महोत्सव के मंच पर न केवल ख्यात कलाकारों को स्थान मिला है, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को भी अपनी कला दिखाने का अवसर प्रदान किया गया है। यह आयोजन काशी की उस परंपरा को सजीव करता है जिसमें कला, अध्यात्म और लोकसंस्कृति एक-दूसरे में विलीन हो जाते हैं.

राज्य मंत्री रवींद्र जायसवाल ने कहा कि काशी की ऐसी महिमा है कि यहां वर्ष के 365 दिन उत्सव मनाए जाते हैं। उत्तरवाहिनी गंगा के तट पर हो रहा यह महोत्सव अब विश्व-स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने न केवल काशी की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर पहुंचाया है, बल्कि नवोदित कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर दिया है। मंत्री ने कहा कि गंगा महोत्सव के बाद मनाया जाने वाला देव दीपावली अब समूचे विश्व का ध्यान आकर्षित कर चुका है, यह काशी की संस्कृति की जीवंतता और भारतीय अध्यात्म की गहराई का प्रतीक है। गंगा तट पर आयोजित यह महोत्सव न केवल सांस्कृतिक उत्सव है, बल्कि यह पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल देता है।

मिशन शक्ति व एंटी रोमियो दल ने नूरजहाँ गर्ल्स कॉलेज में चलाया जागरूकता अभियान

छात्राओं को बताए गए अपने अधिकार और दी गयी कानून की जानकारी

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को नूरजहां गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल इमरानगंज में पहुंच कर मिशन शक्ति व एंटी रोमियो टीम द्वारा बालिकाओं को एकत्रित कर मिशन शक्ति फेज-5 के तहत उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए तथा हेल्पलाइन नंबरों पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102,108, वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वीमेन हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, साइबर अपराध 1930, तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न योजनाओं विधवा पेंशन योजना वृद्धावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना नशा मुक्ति भारत अभियान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व लैंगिक तथा महिला से सम्बंधित कानूनों के बारे में अवगत कराया गया। अंत में विद्यालय के प्रबंधक परवेज आलम भुट्टो ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सड़क से फ्लीट तक: EXELmoto ने Delhivery के साथ व्यावसायिक डिवीजन लॉन्च किया

मुंबई। EXELmoto, सेलिब्रिटी समर्थित इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ब्रांड, अब एक नए अध्याय में प्रवेश कर रहा है। कंपनी ने Delhivery India Limited के साथ अपनी B2B व्यावसायिक इकाई की घोषणा की है और नई 'Scoot' इलेक्ट्रिक साइकिल लॉन्च की है – जो स्कूटर-शैली की डिजाइन के साथ आती है, जिसमें सहज पेडल-असिस्ट और आरामदायक बेंच सीट है। यह उत्पाद विशेष रूप से महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजाइन किया गया है, जो स्वतंत्रता, सुविधा और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता है। 'Scoot' बिना लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन के उपयोग के लिए तैयार है, जो भारत के स्वास्थ्य और सक्रिय जीवनशैली की दिशा में एक सस्ती और सुलभ माइक्रो-मोबिलिटी पहल है। जून अभियान के बाद EXELmoto ने अपने पर्सनल मोबिलिटी सेगमेंट के लिए सफल प्री-ऑर्डर पूरे किए, जिससे मजबूत उपभोक्ता मांग और ब्रांड की बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई। ये प्री-ऑर्डर केवल पर्सनल माइक्रो-मोबिलिटी यूनिट्स के लिए थे और व्यावसायिक इकाइयों में शामिल नहीं हैं। EXELmoto ने Delhivery की तकनीकी और परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार एक विशेष बाइक तैयार की है। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत कंपनी ने चरणबद्ध डिलीवरी शुरू की है, जिसमें पहले चरण की 200 लॉजिस्टिक्स बाइक वर्तमान में वितरण प्रक्रिया में हैं। पायलट चरण के सकारात्मक फीडबैक ने EXELmoto के उत्पाद डिजाइन और इंजीनियरिंग की गुणवत्ता और मजबूती को प्रमाणित किया है।

तीन दिवसीय बदलापुर महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

*** मुख्य अतिथि राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद**

*** सामूहिक विवाह योजना के तहत बिना किसी भेदभाव के संपन्न कराया जा रहा है विवाह :राज्यमंत्री असीम अरुण**

* नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने भी जौनपुर के बदलापुर महोत्सव में किया प्रतिभाग तथा लगभग 36 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक नवम्बर से 03 नवम्बर 2025 तक आयोजित होने वाले सातवें बदलापुर महोत्सव का शुभारंभ आज बदलापुर के सल्तनत बहादुर इंटर कॉलेज प्रांगण में हर्षोल्लास एवं सामाजिक समरसता के वातावरण में हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सामूहिक विवाह समारोह रहा, जिसमें हिंदू एवं मुस्लिम दोनों समुदायों के जोड़ों का विवाह विधि-विधान के साथ वैदिक मंत्रोच्चार एवं निकाह की रस्मों के साथ संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल हिमाचल प्रदेश शिव प्रताप शुक्ला तथा विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) समाज कल्याण असीम अरुण रहे। आगमन पर अतिथिगणों का स्वागत एवं अभिनंदन पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

बदलापुर महोत्सव का शुभारम्भ मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल हिमाचल प्रदेश, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) समाज कल्याण, विधायक बदलापुर रमेश मिश्रा, विधायक शाहगंज रमेश सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर श्रीमती मनोरमा मौर्या, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र सहित अन्य गणमान्य की उपस्थिति में किया गया।

महोत्सव में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया जिसमें कुल कुल 05 मुस्लिम जोड़ों का निकाह सहित जोड़ों का विवाह विधि-विधान से संपन्न कराया गया। सभी नवविवाहित जोड़ों को प्रमाण-पत्र वितरित करने के साथ ही उपहार स्वरूप बिछिया, पायल, साड़ी, गृहस्थी के सामान तथा पौधा प्रदान किए गए। सामूहिक विवाह संपन्न कराने वाले सभी पंडित और मौलवी को अंगवस्त्रम व दक्षिणा देकर सम्मानित भी किया गया। महामहिम राज्यपाल ने सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम सामाजिक एकता और सद्भाव का प्रतीक है, जहाँ एक ओर पंडित विवाह संपन्न करा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर मौलवी निकाह की रस्म अदा कर रहे हैं। उन्होने इतने बडे. आयोजन के लिए मुख्यमंत्री , विधायक बदलापुर के साथ ही जिला प्रशासन की सराहना की। राज्यमंत्री ने कहा नवविवाहित जोड़ों के नये दाम्पत्य जीवन की मंगलकामना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के पहल से आज इस महोत्सव में बिना किसी भेदभाव के गरीब, वंचित परिवार के बेटियों के विवाह सम्पन्न कराये जा रहे है। यह सबका साथ सबका विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है। विधायक बदलापुर ने मुख्य अतिथि के बदलापुर महोत्सव में आगमन पर उनका आभार व्यक्त किया।

राज्यमंत्री ने महोत्सव में सभी मंडपों में जाकर जोड़ों को व्यक्तिगत रूप से भी आशीर्वाद दिया। महोत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए, जहाँ योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण भी किया गया। इस अवसर पर विधायक बदलापुर और एमएलसी बृजेश सिह प्रिन्सू के द्वारा 20 ट्राइसाइकिल, 02 व्हील चेयर, 04 हियरिंग एड, 02 स्मार्ट कैन, 05 एमआर किट, 02 वैशाखी का वितरण दिव्यांगजन में किया गया। सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय एवं आमंत्रित कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

इसके साथ ही आज नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री ए. के. शर्मा ने बदलापुर महोत्सव में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 36 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में पेयजल आपूर्ति, इंटरलॉकिंग मार्ग, ओपन जिम, पुस्तकालय, पार्क व मूर्ति स्थापन, सीवरेज, जल निकासी, नाला निर्माण और सीसी रोड निर्माण जैसे जनसुविधा से जुड़े कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र की आधारभूत संरचना मजबूत होगी और आम जनता को बेहतर नागरिक सुविधाएं प्राप्त होंगी। बदलापुर महोत्सव के मंच से प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि जनभावनाओं, सामाजिक एकता और विकास का संगम है।